



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां 'रूपी सोरेन' का निधन, शोक की लहर

बिभा संवाददाता

रांची। पद्मभूषण दिवंगत शिबू सोरेन की पत्नी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन का निधन लंबी बीमारी के बाद बुधवार की देर शाम को हो गया। उनका इलाज रांची के हिल व्यू अस्पताल में चल रहा था। उनके निधन की पुष्टि डॉ. दीपक गुप्ता और डॉ. उज्जवल राय ने की है। गत 18 सितंबर को सांस लेने में तकलीफ होने पर उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उनके स्वास्थ्य में लगातार उतार-चढ़ाव चल रहा था। मल्टी ऑर्गन प्रभावित होने की वजह से कई बार उनको वेंटिलेटर सपोर्ट पर भी रखा गया। छह अक्टूबर को उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ था। लेकिन सात अक्टूबर को अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें फौरन वेंटिलेटर पर रखा गया था। लेकिन फिर वापस नहीं लौट पाई। रूपी सोरेन मूल रूप से सरायकेला के चांडिल की रहने वाली थी। 1962 में शिबू सोरेन के साथ उनका विवाह हुआ था। तब

मां के निधन पर भावुक हुए मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी मां रूपी सोरेन के निधन पर सोशल मीडिया पर बेहद भावुक पोस्ट किया है। मां को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने लिखा कि बाबा के जाने के बाद मां ही मेरी सबसे बड़ी छांव थीं। आज वह छांव भी प्रकृति की गोद में समा गई। मां... रूपी सोरेन लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं



और रांची के हिल व्यू अस्पताल में उनका इलाज चल

रहा था। उनके निधन से राज्य में शोक की लहर है।

आज पैतृक गांव नेमरा में पंचतत्व में विलीन होगी रूपी सोरेन, रांची से सुबह 9 बजे ले जाया जाएगा पार्थिव शरीर

रांची. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां और दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पत्नी रूपी सोरेन का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव नेमरा, रामगढ़ में किया जाएगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से जारी सूचना के अनुसार रूपी सोरेन का पार्थिव शरीर गुरुवार, 8 अक्टूबर को सुबह 9 बजे नेमरा ले जाया जाएगा। वहीं उनका दोपहर 12 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। ज्ञामुगे के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि पार्टी की केंद्रीय उपाध्यक्ष रूपी सोरेन का निधन 7 अक्टूबर 2026 को हुआ। पार्टी और शोकाकुल परिजनों की ओर से उन्हें अंतिम जोहार और भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी है. रूपी सोरेन के निधन के बाद अब अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही है. पार्टी की ओर से स्पष्ट किया गया है कि गुरुवार सुबह 9 बजे उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव नेमरा ले जाया जाएगा. इसके बाद वहीं अंतिम संस्कार होगा. नेमरा सोरेन परिवार का पैतृक गांव है. इससे पहले दिवंगत शिबू सोरेन का भी अंतिम संस्कार नेमरा में ही किया गया था.

उनका नाम रूपी किस्कू था। उन्होंने गुरुजी के संघर्ष के दिनों में तमाम कष्ट सहकर अपने तीन पुत्रों दुर्गा सोरेन, हेमंत सोरेन, बसंत सोरेन और पुत्री अंजनी सोरेन की परवरिश की। जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे लेकिन सादगी और मजबूत संस्कार को कभी नहीं छोड़ा। वहीं मुख्यमंत्री की मां के निधन की सूचना पर ज्ञामुगे के नेता और कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल चार अगस्त 2025 को

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन हो गया था। उन्हें मरणोपरांत पद्म भूषण का सम्मान मिला था। इस सम्मान को लेने के लिए खुद रूपी सोरेन राष्ट्रपति भवन गई थीं। गुरुजी के निधन के बाद से ही उनकी तबीयत खराब रहने लगी थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अक्सर उनका हेल्थ चेकअप कराने के लिए

हैदराबाद और दिल्ली ले जाते थे।

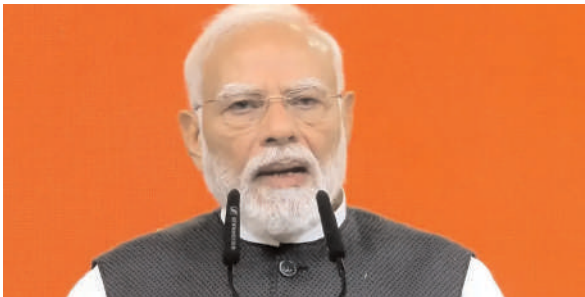


जब तक भारत विकसित नहीं होता, न रुकूंगा, न थकूंगा: प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत को अपने जीवन का प्रमुख लक्ष्य बताते हुए बुधवार को यहां कहा कि जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक वह न रुकेगा, न थकेगा और न अपने पथ से डिगेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन में शासन प्रमुख के तौर पर 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का निर्माण 140 करोड़ से अधिक देशवासी मिलकर करेंगे। मोदी ने सात अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और इसके बाद मुख्यमंत्री तथा

प्रधानमंत्री के रूप में सरकार के प्रमुख के तौर पर लगातार 25 वर्ष पूरे किए हैं। मोदी ने कहा कि आजादी हासिल करने के लिए देशवासियों ने अपना जीवन समर्पित किया था, अब विकसित भारत बनाने के लिए देश के लिए जीना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के सामने लक्ष्य स्पष्ट है—विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत, दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में स्थान, गरीबी का उन्मूलन और विभिन्न क्षेत्रों में भारत को वैश्विक नेतृत्व की स्थिति में पहुंचाना। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में समस्याएं जरूर हैं, लेकिन भारत के पास 140 करोड़ समाधान भी हैं। उन्होंने युवाओं को देश की बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि उनकी ऊर्जा और सामर्थ्य विकसित भारत के निर्माण में निर्णायक भूमिका



निभाएगी। उन्होंने कहा कि भारत को छोटे लक्ष्य लेकर आगे नहीं बढ़ना चाहिए, बल्कि असाधारण और अभूतपूर्व लक्ष्य तय करने चाहिए। मोदी ने कहा कि सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 वर्षों की निरंतर सेवा जनता के निरंतर आशीर्वाद का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इन 25 वर्षों का

जनविश्वास और अनुभव बड़ी पूंजी है, लेकिन यह पूंजी केवल मोदी की नहीं, बल्कि देश की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके 25 वर्षों का आकलन इस बात से नहीं होना चाहिए कि वह स्वयं कहां पहुंचे, बल्कि इससे होना चाहिए कि देश कहां पहुंचा है। उन्होंने कहा कि गुजरात में उनका

मंत्र रहा कि गुजरात के विकास से देश का विकास हो और प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्होंने इसी सोच के साथ काम किया। मोदी ने कहा कि देश के लिए निस्वार्थ कर्म उनके लिए सब कुछ है और कर्म ही उनका धर्म है। उनके लिए कर्म केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि देश के प्रति साधना है। उन्होंने कहा कि फल या श्रेय की चिंता किए बिना देश की सेवा करना ही उनका संकल्प रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आने वाले समय में प्रतिभा, प्रौद्योगिकी, नवाचार, खेल, अंतरिक्ष और विनिर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है।

उन्होंने कहा, ह्रस्वाष्ट्र प्रथम मेरा संकल्प होगा, राष्ट्र की समृद्धि मेरा प्रण रहेगा, राष्ट्र की सेवा मेरा लक्ष्य रहेगा और कर्म मेरा धर्म रहेगा। उन्होंने संकल्प दोहराते हुए कहा, हूजब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक मैं न रुकूंगा, न थकूंगा, न अपने पथ से डिगूंगा। मोदी ने कहा, आज का ये दिन सिर्फ यादों के लिए नहीं है। ये अपने संकल्पों को नई ऊर्जा से भरने का दिन है। ये दिन उस वादे को दोहराने और उस इरादे को व्यक्त करने का दिन है, जो कहता है कि हम करके रहेंगे। मेरा अधिकार मेरे कर्म पर है, इसलिए मैं कर्म को अपना कर्तव्य मानता हूँ और हर कर्म पूरी क्षमता से करता हूँ, निरंतर कर्म करता हूँ।

दुर्गा पूजा से पहले रांची की 3.93 लाख महिलाओं के खाते में पहुंची मईयां सम्मान योजना की राशि

बिभा संवाददाता

रांची। दुर्गा पूजा से पहले झारखंड सरकार ने महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना के तहत रांची जिले की तीन लाख 93 हजार 994 लाभुक महिलाओं के बैंक खातों में सितंबर 2026 की सम्मान राशि ट्रांसफर कर दी गई है। प्रत्येक लाभुक के खाते में 2,500 रुपये की राशि आधार बेरुड डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से भेजी गई है। रांची जिले में योजना के तहत लाभुकों के खातों में कुल 98 करोड़ 49 लाख 85 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। सरकार की ओर से दुर्गा पूजा से पहले राशि का भुगतान किए जाने से महिलाओं और उनके परिवारों को त्योहार के दौरान आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। प्रखंड और शहरी क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार कर्क में सबसे अधिक 31,483 लाभुकों को योजना की

राशि मिली है। इसके बाद टाउन अर्बन क्षेत्र में 25,893, मांडर में 22,936, सिल्ली में 21,269 और बेड़ो में 20,555 लाभुकों को भुगतान किया गया है। वहीं, कर्क शहरी क्षेत्र में सबसे कम 1,281 लाभुकों को राशि मिली है। बुंदू नगर पंचायत में 3,558 और खलारी में 9,590 लाभुकों के खातों में भी सम्मान राशि भेजी गई है। रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि मईयां सम्मान योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। सितंबर माह की सम्मान राशि का समय पर भुगतान यह सुनिश्चित करता है कि योजना का लाभ पात्र महिलाओं तक सीधे और सुगम तरीके से पहुंचे। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा से पहले सम्मान राशि का भुगतान महिलाओं और उनके परिवारों के लिए आर्थिक संवल देने वाला महत्वपूर्ण कदम है।

भारत व वेस्ट इंडीज की टीम पहुंची रांची, आज दोनों टीमों करेगी अभ्यास, कल टी-20 मुकाबला

बिभा संवाददाता

रांची: भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला 9 अक्टूबर को रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा. मुकाबले को लेकर दोनों टीमों बुधवार को रांची पहुंच चुकी हैं. रांची एयरपोर्ट पर दोनों टीमों का स्वागत किया गया. जिसके बाद खिलाड़ियों को सीधे रेडिसन ब्लू होटल ले जाया गया. अब दोनों टीमों रांची में मुकाबले की तैयारी करेंगी. मुकाबले से एक दिन पहले 8 अक्टूबर को जेएससीए इंटरनेशनल



स्टेडियम में दोनों टीमों का प्रैक्टिस सेशन होगा. पहले भारतीय टीम मैदान पर अभ्यास करेगी. इसके बाद वेस्टइंडीज की टीम प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लेगी. अभ्यास के दौरान

खिलाड़ियों की तैयारियों के साथ कलानों की रणनीति पर भी नजर रहेगी. इसके बाद 9 अक्टूबर को शाम 7 बजे दोनों टीमों दूसरे टी-20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी.

रांची एयरपोर्ट पर अपने पसंदीदा क्रिकेटर्स को देखने के लिए क्रिकेट प्रशंसकों में गजब का उत्साह देखने को मिला. टीम इंडिया के खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक काफी आतुर नजर आए. खासकर श्रेयस अय्यर, वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और संजु सैमसन को देखने के लिए लोगों में जबरदस्त उत्सुकता दिखी. एयरपोर्ट से लेकर होटल तक प्रशंसक अपने फेवरेट खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए इंतजार करते रहे. खिलाड़ियों के पहुंचते ही माहौल उत्साह से भर गया.

राष्ट्रपति ने हिडिंबा देवी मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को समुद्र तल से 10 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित 9.02 किलोमीटर लंबी अटल टनल का दौरा किया। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता और लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता भी उनके साथ मौजूद रहीं। अटल टनल के नॉर्थ पोर्टल पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने राष्ट्रपति का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री एवं मंत्री-इन-वेटिंग राजेश धमाणी, सांसद कंगना रनौत, लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा,



उपायुक्त किरण भड़ाना सहित जिला प्रशासन और सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राजेश धमाणी ने राष्ट्रपति को स्मृति चिह्न भी भेंट किया। इस अवसर पर राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने अटल टनल को इंजीनियरिंग आधुनिक बुनियादी ढांचे और रणनीतिक विकास की शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। यह इस बात

हिस्सों के काफी करीब ला दिया है। यह परियोजना भारत की तकनीकी क्षमता, दूरदृष्टि और दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी से जोड़ने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। राज्यपाल ने कहा कि अटल टनल आधुनिक बुनियादी ढांचे और रणनीतिक विकास की शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। यह इस बात

का प्रेरक उदाहरण है कि देश कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम है। ऐसी परियोजनाएं न केवल आवागमन को सुगम बनाती हैं, बल्कि दूरदराज के क्षेत्रों में विकास और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करती हैं।

झारखंड में आज और कल वज्रपात के साथ तेज हवा चलने का येलो अलर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में आठ और नौ अक्टूबर को वज्रपात के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग की ओर से बुधवार को येलो अलर्ट जारी किया गया है। इधर, विभाग की ओर से बुधवार को राज्य के उत्तर-पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है। साथ ही मौसम विभाग की ओर से आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री के गिरावट होने की संभावना व्यक्त की गई है। वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश

धनबाद जिले के तोपचांची में 113.4 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद बारल छाए रहे। देर शाम तक बारिश होने की संभावना है। वहीं, बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री और न्यूनतम 18.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34.4 डिग्री और न्यूनतम 21.5 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.4 और न्यूनतम 21.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.2 डिग्री और न्यूनतम 21.5 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

नई दिल्ली: कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के अन्य दलों के नेताओं ने लगातार दूसरे दिन बुधवार को यहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और इस दौरान पुलिस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड़ा तथा कुछ अन्य नेताओं के हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। श्री गांधी और गठबंधन के कुछ अन्य नेताओं को मंगलवार को भी हिरासत में लिया गया था। गठबंधन के नेता आज प्रदर्शन के लिए बस में



सवार होकर जंतर-मंतर जा रहे थे लेकिन पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उन्हें पहले ही रोक दिया, जिसके बाद वे वहीं सड़क पर ही धरने पर बैठ गये। पुलिस ने कुछ देर बाद श्री गांधी तथा श्रीमती वाड़ा तथा अन्य

नेताओं को हिरासत में ले लिया। श्री गांधी को पुलिस बाराखंभा रोड थाने ले गयी जहां से थोड़ी देर बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। मंगलवार को दोनों नेताओं को किंस्वै कैप पुलिस थाने में हिरासत में रखने के

बाद देर रात रिहा किया गया था। प्रदर्शन में आज भी इंडिया गठबंधन के कई दलों के सांसद शामिल हुए। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पहुंचने से पहले रोके जाने के बाद सांसदों ने वहीं पर धरना दिया। पुलिस श्री गांधी और श्रीमती वाड़ा को धरना स्थल से जबरन उठाकर ले गई। श्रीमती वाड़ा ने पहले हटने से इनकार किया और वह जमीन पर लेट गयीं। बाद में पुलिसकर्मी उन्हें जबरन उठाकर बाराखंभा रोड पुलिस थाने ले गये। हिरासत में लिये जाने के बाद श्री गांधी ने कहा,

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा देने तक प्रदर्शन नहीं रुकेगा। हम तब तक प्रदर्शन नहीं रोकेगे, जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते। यह देश की सबसे पवित्र चीज की रक्षा की लड़ाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जो कुछ कर सकते हैं, करें, लेकिन वे हमें रोक नहीं सकते। हम विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई संविधान और जनता की आवाज की रक्षा के लिए है तथा इसके लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जायेगा। उन्होंने कहा,

जुल्मी जब-जब जुल्म करेगा, सत्ता के गलियारों से चप्पा-चप्पा गुंज उठेगा इंकलाब के नारों से। श्रीमती वाड़ा ने कहा, निर्वाचन आयोग से मिलने की मांग कर रहे सांसदों के साथ पुलिस ने मारपीट की। महिला पुलिसकर्मियों ने मुझे जमीन पर गिराया है और मुझे कई जगह खरोंचें आयी हैं। कुछ भी हो जाए, हम पीछे नहीं हटेंगे। जनता के हक के लिए लड़ते रहेंगे। पुलिस द्वारा जबरन उठाए जाने पर श्रीमती वाड़ा ने कहा, ये कोई तरीका नहीं है। देश देख रहा है... क्या हो रहा है।

बिंदल मॉल उडिपी गोलीकांड का खुलासा, कुल आठ आरोपी गिरफ्तार; तीन पिस्टल और छह गोलियां बरामद

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। सोनारी थाना क्षेत्र के मरीन ड्राइव स्थित बिंदल मॉल के उडिपी रेस्टोरेंट में 26 सितंबर को हुई ताबड़तोड़ गोलीबारी की घटना का पुलिस ने बुधवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस मामले में शूटरों, साजिशकताओं और सहयोगियों समेत कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से तीन पिस्टल, छह गोलियां, एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन और एक राउटर बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना में शामिल आरोपियों का पूर्व से भी हत्या, लूट, रंगदारी, मारपीट, धोखाधड़ी और आर्म्स एक्ट समेत कई आपराधिक मामलों का इतिहास रहा है। पुलिस के मुताबिक 26 सितंबर



की दोपहर करीब 1:30 बजे उडिपी रेस्टोरेंट में डोमिनिक सैम्सन, रिजवान, दानिश और कुष्णा चौधरी को निशाना बनाकर अपराधियों ने करीब 12 राउंड फायरिंग की थी। गोलीबारी में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती कराया गया था। घटना के बाद एसएसपी डॉ एहतेशाम वकारिब के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक के

नेतृत्व में विशेष जांच टीम का गठन किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने गोलीकांड के मुख्य साजिशकताओं और शूटरों की पहचान करते हुए कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मुख्य शूटर मोहन यादव और अजीत मंडल को डोबो पुल के पास से गिरफ्तार किया। इसके अलावा अविनाश ठाकुर, रूपेश सिंह और ओम सिंह उर्फ ओम बच्चा समेत अन्य

आरोपियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। पूछताछ में मोहन यादव और अजीत मंडल ने घटना में इस्तेमाल हथियारों को मरीन ड्राइव स्थित फागूबाबा आश्रम के पीछे झाड़ियों में छिपाए जाने की जानकारी दी। पुलिस टीम दोनों को लेकर हथियार बरामद करने पहुंची, जहां उनकी निशानदेही पर दो पिस्टल और गोलियां बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार, हथियार बरामदगी के बाद वापस लौटने के दौरान अजीत मंडल ने एक पुलिसकर्मी का सर्विस रिवॉल्वर छीनकर अभिरक्षा से भागने का प्रयास किया। पुलिस ने उसे रुकने की चेतावनी दी, लेकिन उसने पुलिस टीम पर तीन राउंड फायरिंग कर दी। जवाब में आत्मरक्षा के लिए पुलिस ने भी

तीन राउंड फायरिंग की। इस कार्रवाई में अजीत मंडल और मोहन यादव के पैर के निचले हिस्से में एक-एक गोली लगी। दोनों को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। इस संबंध में सोनारी थाना में पुलिस अभिरक्षा से भागने, सरकारी हथियार छीनने, पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने 7 अक्टूबर को अविनाश ठाकुर और रूपेश सिंह को भी गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, अविनाश के पास से 9 एमएम की लोडेड पिस्टल, अतिरिक्त लोडेड मैगजीन और गोलीकांड में इस्तेमाल

मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस ने बताया कि अजीत मंडल के खिलाफ सीतारामडैरा थाना में हत्या समेत कई मामले लंबित हैं। उसे एक हत्या के मामले में 27 नवंबर 2019 को जिला न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के मामले भी दर्ज हैं। वहीं मोहन यादव के खिलाफ सोनारी थाना में हत्या और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं और उसे उडिपी रेस्टोरेंट गोलीकांड का मुख्य आरोपी बताया गया है। पुलिस का कहना है कि कार्रवाई के बाद गोलीकांड की साजिश, शूटरों और सहयोगियों की कड़ियां सामने आई हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

वियतनाम हादसे में मृत राजा के परिजनों को सरकार ने दी पांच लाख की सहायता

बिभा संवाददाता



रांची। वियतनाम में बाइक दुर्घटना में जान गंवाने वाले कैलाश नगर चुना भट्टा निवासी राजा कुमार वर्मा के परिजनों को झारखंड सरकार की ओर से पांच लाख रुपये की सहायता राशि दी गयी। बुधवार को श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव और राज्यसभा सांसद डॉ महूआ माजी राजा कुमार के आवास पहुंचे और परिजनों की मौजूदगी में उनके खाते में मुआवजा राशि भेजी। इस अवसर पर झामुमो नेता नंद किशोर सिंह चंदेल ने बताया कि हादसे के बाद से ही सांसद डॉ महूआ माजी परिवार की सहायता के लिए प्रयासरत थीं। उन्होंने कहा कि पार्थिव शरीर को कोलकाता से रांची लाने के लिए एंबुलेंस सहित आवश्यक सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी सहयोग किया गया। श्रम मंत्री और सांसद ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि

नियमानुसार परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। मृतक की बहन की पढ़ाई, भाई को रोजगार और परिवार के आवास और बेहतर ढंग से जीवनयापन के लिए आवश्यक सहयोग दिलाने की दिशा में भी पहल की जाएगी। डॉ महूआ माजी ने सहायता के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार जताया। मौके पर रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, एसडीओ कुमार रजत, एडीएम धनंजय कुमार, श्रम विभाग की टीम, टाउन सीओ, सुखदेवनगर थाना प्रभारी सुनील कुशवाहा, वार्ड पार्षद बबली सोनी सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

रौनियार वैश्य संघ ने वीर सम्राट हेमू को दी भावनीनी श्रद्धांजलि

बेड़ो(बिभा): रौनियार वैश्य संघ इकाई बेड़ो की ओर से बुधवार, 7 अक्टूबर 2026 को महादानी मंदिर स्थित रंमरां में वीर सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य हेमू की स्मृति में सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने सम्राट हेमू के शौर्य, पराक्रम और गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दोपहर तीन बजे आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सम्राट हेमू के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। वक्ताओं ने उनके वीरता और राष्ट्र के लिए दिए गए योगदान को याद करते हुए समाज के लोगों से उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में रौनियार वैश्य सभा रांची जिला के संगठन मंत्री राजेंद्र साहू रौनियार, बेड़ो अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, सचिव मोतीलाल गुप्ता, डॉ. रमेश गुप्ता, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, विजय गुप्ता, मुरारी सेन गुप्ता, जयशंकर गुप्ता, प्रेम गुप्ता एवं मंडिया प्रभारी विकास बंटी रौनियार सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्व. जीतनाथ भगत की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, मरीजों के बीच फल-मिठाई का वितरण



बेड़ो(बिभा)। जरिया पंचायत निवासी एवं बिहार विधान परिषद, पटना में कार्यरत रहे समाजसेवी स्व. जीतनाथ भगत की पहली पुण्यतिथि बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर परिजनों, समाज के गणमान्य लोगों एवं शुभचिंतकों ने उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। पुण्यतिथि के अवसर पर बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों के बीच फल, ब्रेड, बिस्किट एवं मिठाइयों का वितरण किया गया। परिजनों ने कहा कि स्व. जीतनाथ भगत हमेशा सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहे और जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहते थे। उनकी पहली पुण्यतिथि पर मरीजों की सेवा कर उन्हें याद करना उनके सामाजिक एवं मानवीय विचारों को आगे बढ़ाने का प्रयास है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित परिजनों एवं समाज के लोगों ने उनकी पुण्य आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा उनके आदर्शों एवं बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर उनकी धर्मपत्नी अल्का रानी एक्का, पुत्री एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य सह समाजसेवी अंजली कच्छप, अंकिता कच्छप एवं अनुपमा कच्छप, पुत्र अभिलाष भगत, समाजसेवी भीखा उरांव, बिनोद उरांव, पूनम तिकी, सुनीता एक्का, अंजली मुंडा सहित बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कई स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड के छायाकार नरेश अग्रवाल को अमेरिकन फोटोग्राफिक सोसायटी का प्रतिष्ठित सम्मान 'एमपीएसए', राज्य से पहले विजेता बने

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर /रांची: प्रसिद्ध छायाकार नरेश अग्रवाल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का मान बढ़ाया है। उन्हें अमेरिकन फोटोग्राफिक सोसायटी की ओर से प्रतिष्ठित विशिष्ट सम्मान 'एम.पी.एस.ए.' (टकरअ) प्रदान किया गया है। भारत में अब तक केवल 40 छायाकारों को ही यह गौरव हासिल हुआ है, जबकि झारखंड से यह सम्मान पाने वाले वे पहले छायाकार बन गए हैं।

1500 अंतरराष्ट्रीय स्वीकृतियों पर मिलता है सम्मान

यह विशिष्ट सम्मान किसी भी छायाकार की न्यूनतम 1500 तस्वीरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में चयनित एवं



स्वीकृत होने के उपरांत दिया जाता है। नरेश अग्रवाल के अब तक 4000 से अधिक छायाचित्र विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें 200 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों



से भी नवाजा जा चुका है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के साथ ही अब वे अमेरिकन फोटोग्राफिक सोसायटी द्वारा आयोजित किसी भी वैश्विक फोटो प्रतियोगिता में जूरी (चयनकर्ता) के रूप में नामित होने के पात्र हो गए हैं। इसी क्रम में सोसायटी की मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 'वन क्लिक सर्फैट' में उन्हें चार प्रमुख निर्णायकों में शामिल किया गया है,

जिसमें 25 से 30 देशों के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

ग्रामीण जीवन और लोक-संस्कृति पर केंद्रित कला

नरेश अग्रवाल के लिए फोटोग्राफी कोई व्यावसायिक पेशा नहीं, बल्कि सुख को ऊजावान और जीवंत बनाए रखने का एक सशक्त माध्यम है। उनकी अधिकांश तस्वीरों में झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और ओडिशा के ठेठ ग्रामीण जीवन की जीवंत झलक दिखाई देती है। उन्होंने विभिन्न ग्रामीण समुदायों और जनजातियों की संस्कृति व जीवनशैली पर गहन दस्तावेजी कार्य किया है। निरंतर सक्रिय रहते हुए वे अपनी कला साधना को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

एजियोग्राफी को पूरी सफलता और सुरक्षा के साथ अंजाम दे सके। समय पर सटीक निदान मिलने से हृदय रोगों का प्रभावी उपचार संभव हो पाता है। संस्थान के चेयरमैन मदन मोहन सिंह ने इस उपलब्धि पर कार्डियोलॉजी विभाग और संपूर्ण मेडिकल टीम को बधाई देते हुए कहा, "NSMCH, आदित्यपुर में पहली सफल एजियोग्राफी का संपन्न होना हमारे उस संकल्प की सिद्धि है, जिसके तहत हमने क्षेत्र के आम नागरिकों को विश्वस्तरीय कार्डियक सेवाएं उपलब्ध कराने का वादा किया था। अब कोल्हान, चतरा और आसपास के सुदूर क्षेत्रों के मरीजों को एजियोग्राफी या एजियोप्लास्टी जैसी प्रक्रियाओं के लिए रांची, कोलकाता या अन्य महानगरों में भटकने की जरूरत नहीं है। हमारा ध्येय हर वर्ष तक गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है।

शिलान्यास के दो साल बाद भी सड़क निर्माण शुरू नहीं, ग्रामीणों में आक्रोश

बिभा संवाददाता

बेड़ो। एनएच-23 बारीडीह से भसनंदा वाया महरू जाने वाली सड़क की स्थिति इन दिनों बेहद जर्जर हो गई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे और जलजमाव के कारण राहगीरों के साथ वाहन चालकों को भी आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। वहीं, सड़क निर्माण का शिलान्यास हुए करीब दो वर्ष बीत जाने के बावजूद अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। सड़क की बदहाली और निर्माण कार्य में हो रही देरी के विरोध में बुधवार को बारीडीह, महरू और भसनंदा गांव के ग्रामीण सड़क पर उतरे। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि



संबंधित विभाग और संवेदक की लापरवाही के कारण शिलान्यास के बाद भी सड़क निर्माण का कार्य आगे नहीं बढ़ सका है। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क की खराब स्थिति के कारण प्रतिदिन आवागमन करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश के दिनों में गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क की स्थिति और भी बदतर हो जाती है। कई स्थानों पर



करने का निर्णय लिया। इसके बाद वह स्वयं प्रमोद नगर स्थित शांति लता मंडल के घर पहुंचीं और उन्हें कान की मशीन प्रदान की। कान की मशीन मिलने के बाद शांति लता मंडल के चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। उनके परिवार के सदस्यों ने बताया कि सुनने में परेशानी के कारण शांति लता को रोजमर्रा की बातचीत से लेकर सामान्य कामकाज तक में परेशानी होती थी। कई बार लोगों की बात ठीक से नहीं सुन पाने के कारण उन्हें असहज स्थिति का सामना करना पड़ता था। परिवार को उम्मीद है कि

मशीन के इस्तेमाल से उनकी यह परेशानी काफी हद तक कम होगी। मुनमुन चक्रवर्ती ने कहा कि समाजसेवा केवल बड़े आयोजनों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि किसी जरूरतमंद की वास्तविक परेशानी को समझकर उसके जीवन को थोड़ा आसान बनाने का प्रयास ही सच्ची मानवता है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की छोटी जरूरत पूरी करना भी उसके जीवन में बड़ी खुशी ला सकता है। उन्होंने भविष्य में भी अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंद लोगों की सहायता जारी रखने की बात कही।

नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने विभाग और प्रशासन से लेते हुए सड़क निर्माण कार्य अविलंब शुरू कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो ग्रामीण आंदोलन को तेज करते हुए एनएच-23 जाम करने के लिए बाध्य होंगे। विरोध प्रदर्शन में पूर्व उपप्रमुख धनंजय कुमार राय, मुखिया पतिनिधि सुनील कच्छप, समाजसेवी बाणी कुमार राय, सुनील ओहदार, जगजीवन महतो, सरवन खान, मनोज गोप, अयनुल खान, प्रधान बिनोद उरांव, ग्रामप्रधान मंगरा उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को रावण दहन कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता



बिभा संवाददाता
रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पंजाबी हिंदू बिरादरी (दशहरा कमेटी-2026) और श्री दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति, अरगोड़ा के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार

मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आगामी 20 अक्टूबर को मोरहाबादी मैदान और अरगोड़ा मंडा मैदान में आयोजित होने वाले रावण दहन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सपरिवार शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के



सदस्यों से कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी ली और आयोजन को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। प्रतिनिधिमंडल में पंजाबी हिंदू बिरादरी (दशहरा कमेटी-2026) के अध्यक्ष कुणाल अजमानी के अलावा राजेश मेहरा, सौरभ खन्ना, सुनील कालरा, हैप्पी

फिंगर, राहुल माकन, राकेश गिरधर और रणदीप आनंद शामिल थे। वहीं, दुर्गा पूजा एवं रावण दहन प्रकाश साहू के साथ जय प्रसाद साहू, वीरेंद्र प्रसाद साहू, मुनेश्वर साहू, सुभाष प्रसाद साहू, युवराज साहू, सुमित साहू सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

एक्सपो का समापन, सात लाख लोगों ने किया भ्रमण

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में लगे जेसीआई (जूनियर चेंबर इंटरनेशनल) के एक्सपो उत्सव 2026 का बुधवार को समापन हुआ। रांची का त्योहार कहे जाने वाले यह बहुप्रतीक्षित व्यापार मेले की 29वीं वर्षगांठ थी। इस मेले में देश विदेश के कई स्टॉल लगाए गए थे। रांचीवासियों ने आखरी दिन सभी स्टाल्स में ऑफर्स के लाभ लिया। इस उत्सव का समापन समारोह में मुख्य अतिथि जेसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष भरत एन आचार्य, इंडिया, विशिष्ट अतिथि गौरव सेठ, मंडलीय अध्यक्ष तन्वी अग्रवाल, मंडलीय उपाध्यक्ष राखी जैन सहित अन्य ने किया। मुख्य अतिथि ने आयोजन के लिए सभी युवा सदस्यों को बधाई दी। समापन समारोह में एक्सपो को सफल बनाने के लिए सदस्यों को सम्मानित किया गया।



सम्मानित होनेवालों में एक्सपो रतन-जेसी दीपक पटेल, एक्सपो भूषण- ऋषभ जैन और अनिमेष निखिल, एक्सपो पद्म भूषण - ऋषभ अग्रवाल, जेसी देवेश जैन एवं सन्नी केडिया को दिया गया। साथ ही साथ सभी स्पॉन्सरर्स को भी सम्मानित किया गया। एक्सपो के चीफ कोऑर्डिनेटर जेसी एचजीएफ सीए प्रशांत पाटोदिया ने बताया कि रांचीवासियों ने इस मेले का भरपूर लुप्त उठाया

कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल में एक करोड़ का बड़ा वित्तीय घोटाला

अस्पताल में कार्यरत तीन कर्मचारियों पर लोअर बाजार थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई

बिभा संवाददाता

रांची : राँची के पुरलिया रोड स्थित कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल में एक करोड़ के बड़े वित्तीय घोटाले का मामला सामने आया है. अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. वीरेन्द्र प्रसाद कश्यप ने अस्पताल में कार्यरत आशुतोष कुमार, अंकित कुमार व संतोषी कुमारी तीन कर्मचारियों पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं, धोखाधड़ी और डिजिटल दस्तावेजों में हेरफेर करने का आरोप लगाते हुए लोअर बाजार थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है. अस्पताल के प्रारंभिक आंतरिक जांच और ऑडिट रिपोर्ट में यह चौकाने वाले तथ्य सामने आया है कि आरोपी कर्मचारियों द्वारा आपसी मिलीभगत से अस्पताल की बिलिंग प्रक्रिया को चूना लगाया जा रहा था. अस्पताल प्रबंधन द्वारा दर्ज प्राथमिकी के अनुसार इस पूरी धोखाधड़ी का तरीका बेहद

शांति तरीके से किया है. आरोपी मरीजों को दिए जाने वाले मूल अस्पताल के बिलों में फोटोशॉप या अन्य एडिटिंग टूल्स के माध्यम से फेरबदल करते थे. बिल की राशि और अन्य मेडिकल डेटा में जानबूझकर गलत बदलाव किए जाते थे. अस्पताल के बिलिंग सॉफ्टवेयर में दर्ज वास्तविक रिकॉर्ड और मरीजों को सौंप गए बिलों में भारी अंतर पाया गया है. अस्पताल प्रबंधन ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए पुलिस को एक पेन ड्राइव के रूप में ठोस डिजिटल साक्ष्य सौंपे हैं. इसमें सीसीटीवी फुटेज, संदिग्ध बिलिंग रिकॉर्ड, सॉफ्टवेयर डेटा, और सॉफ्टवेयर मैनिपुलेशन से जुड़ी जानकारी शामिल हैं. अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस से आरोपी कर्मचारियों की भूमिका की गहराई से जांच करने, कंप्यूटर सिस्टम और यूजर आईडी/पासवर्ड की फॉरेंसिक ऑडिट करने तथा अवैध रूप से प्राप्त की गई संपत्ति व राशि की बरामदगी के लिए कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है.

सीएचसी-पीएचसी से जोड़ी जाएंगी ईएसआईसी की चिकित्सा सेवाएं, छह लाख लोगों को लाभ की उम्मीद



रांची-जमशेदपुर ईएसआईसी केंद्रों में अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा और आयुष्मान लाभुकों के इलाज की तैयारी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ईएसआईसी) की चिकित्सा एवं सामाजिक सुरक्षा सेवाओं का विस्तार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) के माध्यम से करने की पहल की जा रही है। इसके साथ ही रांची और जमशेदपुर स्थित ईएसआईसी केंद्रों में मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभुकों को भी इलाज की सुविधा देने की तैयारी है। प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद लागू किया जाएगा। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में ईएसआईसी सेवाओं को राज्य के स्वास्थ्य

संस्थानों से जोड़ने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। उन्होंने अधिक से अधिक बीमिय श्रमिकों और उनके परिवारों तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। प्रस्ताव के तहत रांची और जमशेदपुर स्थित ईएसआईसी केंद्रों में अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना तथा आयुष्मान भारत के लाभुकों के इलाज की संभावना पर भी विचार किया गया। वर्तमान में राज्य में ईएसआईसी की 21 डिस्पेंसरी संचालित हैं। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत ईएसआईसी की ओर से प्रति संबद्ध बीमिय व्यक्ति को प्रतिवर्ष एक हजार रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इससे राज्य में करीब 1.50 लाख बीमित व्यक्तियों और उनके परिवारों समेत लगभग छह लाख लाभार्थियों को चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलने की संभावना है। बैठक में संबंधित विभागों और ईएसआईसी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

इंडिया पोस्ट ने रांची से देवघर खेप पहुंचाई सात घंटे 20 मिनट में

रांची। इंडिया पोस्ट की लॉजिस्टिक्स पोस्ट सेवा के माध्यम से रांची से देवघर भेजी गयी पूर्ण टूक खेप महज सात घंटे 20 मिनट में पहुंचायी गयी। वहीं, रांची से डालटेनगंज भेजी गयी एक अन्य खेप की डिलीवरी केवल चार घंटे 27 मिनट में पूरी की गयी। विभाग ने इसे अपनी तेज और भरोसेमंद माल परिवहन सेवा की उपलब्धि बताया है। रेलवे मेल सेवा, आरएन मंडल, रांची के अधीक्षक प्रेमजीत कुमार ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञापित में बताया कि रांची से देवघर तक पूर्ण टूक खेप को सात घंटे 20 मिनट में और रांची से डालटेनगंज तक खेप को चार घंटे 27 मिनट में पहुंचाना टीम की तत्परता और इंडिया पोस्ट के मजबूत नेटवर्क को दर्शाता है। लॉजिस्टिक्स पोस्ट व्यवसायों और संस्थानों के लिए तेज और भरोसेमंद माल परिवहन का प्रभावी विकल्प है। उन्होंने व्यापारियों और संस्थानों से इस सेवा का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इंडिया पोस्ट के लॉजिस्टिक्स पोस्ट के जरिए ग्राहकों को अपनी परिवहन जरूरत के अनुरूप माल भेजने की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है, जिससे व्यवसायिक गतिविधियों के लिए समयबद्ध डिलीवरी को बढ़ावा मिल रहा है। लॉजिस्टिक्स पोस्ट के तहत व्यापारी, व्यवसायी और संस्थान अपनी जरूरत के अनुसार पूर्ण टूक लोड (एफटीएल) के साथ-साथ आंशिक खेप भी भेज सकते हैं। इस सेवा के माध्यम से माल को निर्धारित गंतव्य तक पहुंचाने के लिए इंडिया पोस्ट के नेटवर्क और परिवहन व्यवस्था का इस्तेमाल किया जाता है।

ईएसआईसी अस्पताल प्रबंधन ने विधायक राजेश कच्छप से की मुलाकात, जताया आभार

बिभा संवाददाता

रांची: कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल, नामकुम में मेडिकल कॉलेज की स्थापना और संचालन की मांग को लेकर खिज़री विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप द्वारा मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र के बाद प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में बुधवार को ईएसआईसी नामकुम के वरीय अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधायक राजेश कच्छप से औपचारिक मुलाकात की। मुलाकात के दौरान ईएसआईसी अस्पताल नामकुम के रीजनल डायरेक्टर शिवेंद्र कुमार, असिस्टेंट डायरेक्टर अभिषेक कुमार, विनय जायसवाल एवं करतार सिंह ने



विधायक के साथ मेडिकल कॉलेज की स्थापना से जुड़े तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने इस दिशा में सकारात्मक और प्रभावी पहल करने के लिए विधायक का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि नामकुम ईएसआईसी में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होने से न केवल बीमित कर्मचारियों

और उनके आश्रितों को उच्च स्तरीय सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाएं मिलेंगी, बल्कि झारखंड के युवाओं को राज्य में ही चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के बेहतर अवसर भी उपलब्ध होंगे। उन्होंने विवासव दिलावा कि नामकुम में मेडिकल कॉलेज की स्थापना और संचालन को धरातल पर उतारने के लिए सरकार और संबंधित विभागों के साथ निरंतर समन्वय एवं प्रयास जारी रहेगा।

वाणिज्यकर सर्किलों में संयुक्त आयुक्त की पदस्थापना शीघ्र हो : चैंबर

बिभा संवाददाता

रांची : वाणिज्यकर विभाग के विभिन्न सर्किल कार्यालयों में संयुक्त आयुक्त के पद रिक्त रहने के कारण व्यवसायियों को हो रही असुविधा को देखते हुए आज चैंबर भवन में बैठक कर स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में डीलरों द्वारा सामना किये जा रहे व्यावहारिक समस्याओं एवं लंबित कार्यों के कारण व्यापार संचालन में उत्पन्न हो रही बाधाओं पर चिंता व्यक्त की गई। यह कहा गया कि वाणिज्यकर विभाग में हालिया स्थानांतरण एवं पदेनति के पश्चात कई सर्किल कार्यालय संयुक्त आयुक्त के नियमित प्रभार के बिना संचालित हो रहे हैं। चूंकि कई महत्वपूर्ण वैधानिक एवं प्रशासनिक कार्य सर्किल प्रभारी के स्तर से संपादित



होते हैं, ऐसे में आवश्यक प्रक्रियाओं के लंबित रहने से व्यापारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल ने कहा कि अधिकारियों के पद रिक्त रहने से यदि पंजीकरण, संशोधन एवं आवश्यक फॉर्म जारी करने जैसी प्रक्रियाएं प्रभावित होती हैं, तो इसका सीधा असर व्यापारिक गतिविधियों के साथ-साथ राज्य के राजस्व पर भी पड़ता है। उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि सभी रिक्त सर्किल कार्यालयों में यथाशीघ्र संयुक्त आयुक्त

की पदस्थापना की जाय। जब तक नियमित पदस्थापना नहीं होती, तब तक संबंधित सर्किल में कार्यरत वरिष्ठतम अधिकारी, जैसे उपायुक्त को आवश्यक प्रशासनिक शक्तियां अस्थायी रूप से प्रदान करने पर विचार किया जाए, ताकि लंबित कार्यों का निष्पादन सुचारु रूप से हो सके। बैठक में चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल, उपाध्यक्ष विकास विजयवर्गीय, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव अमित शर्मा एवं सदस्य संतोष अग्रवाल उपस्थित थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पत्नी रूपी सोरेन के निधन पर विभिन्न दलों ने जताया गहरा शोक

बिभा संवाददाता

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पत्नी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता रूपी सोरेन के निधन पर इंडी गठबंधन के अलावा विपक्षी दलों ने बुधवार को गहरा शोक प्रकट किया है। शोक प्रकट करते हुए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि दिवंगत रूपी सोरेन की आत्मा को मारांग बुरु को अपने निज धाम में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को यह वज्रपात सहने की शक्ति प्रदान करें। वहीं जदयू के विधायक सरयू ने शोक प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को इस कठिन घड़ी में धैर्य प्रदान करने की कामना की। सरयू राय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता के निधन की सूचना बेहद मर्माहत करने वाली है।

उन्होंने एक सफल और सार्थक जीवन जिया और अपने पीछे भरा-पूरा परिवार और मातृवत् स्नेह पाने वाले हजारों लोगों की विरासत छोड़ी है। उन्होंने कहा कि दिवंगत माताजी का स्नेह और व्यक्तित्व हमेशा लोगों की स्मृतियों में जीवित रहेगा। सरयू राय ने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और समस्त परिजनों एवं समर्थकों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इधर, रूपी सोरेन के आकस्मिक निधन की सूचना पर प्रदेश राजद के नेताओं ने भी गहरा शोक प्रकट किया है। उनके निधन की सूचना के बाद पार्टी की ओर से प्रस्तावित मशाल जुलूस एवं जिलों के प्रखंड स्तरीय सभी कार्यक्रमों अगले

आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। यह जानकारी प्रदेश राजद के प्रवक्ता कैलाश यादव ने दी। वहीं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सिंह यादव, श्रम एवं उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव, राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान, विधायक नरेश सिंह, पूर्व मंत्री सत्यानन्द भोक्ता, पूर्व विधायक गौतम सागर राणा सहित अन्य, पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

रूपी सोरेन के निधन पर मंत्री शिल्पी नेहा तिकी ने जताया गहरा शोक

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी की पूज्य माताजी श्रीमती रूपी सोरेन के लंबी बीमारी के बाद निधन की दुःखद खबर से मन अत्यंत व्यथित है। श्रीमती रूपी सोरेन जी का निधन मुख्यमंत्री जी एवं उनके समस्त परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। इस कठिन और दुःख की घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएँ मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी एवं समस्त शोकाकुल परिवार के साथ हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके पूरे परिवार के लिए अपूरणीय क्षति : कांग्रेस

रूपी सोरेन के निधन पर प्रदेश कांग्रेस ने भी गहरा शोक जताया है। उनके निधन पर प्रदेश प्रभारी के . राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। के . राजू और केशव महतो कमलेश ने कहा कि रूपी सोरेन का निधन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके पूरे परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। इस कठिन और दुःख की घड़ी में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

रूपी सोरेन के निधन पर डॉ. प्रदीप वर्मा ने जताया गहरा शोक

रांची। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन की धर्मपत्नी रूपी सोरेन के निधन पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। डॉ. प्रदीप वर्मा ने कहा कि श्रीमती रूपी सोरेन का निधन अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। उनके निधन से शोकाकुल परिवार एवं उनके शुभचिंतकों को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि इस दुःख की घड़ी में वे मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन एवं पूरे सोरेन परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं।



रांची(बिभा): पितृपक्ष के पावन अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा द्वारा हरमू गौशाला न्यास में श्रद्धापूर्वक गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शाखा की महिला सदस्यों ने गौशाला पहुंचकर गौ माताओं को हरा चारा, ताजी सब्जियां और गुड़ खिलाकर सेवा-अर्चना की। सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष में गौ सेवा का विशेष आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व होता है। माना जाता है कि इस पावन काल में की गई गौ सेवा का पुण्य सीधे पितरों को प्राप्त होता है, जिससे वे तृप्त होकर परिवार को सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। इसी मान्यता के तहत पंचबलि कर्म में भी पहला ग्रास गौ माता के निमित्त निकाला जाता है। सेवा कार्य के दौरान उपस्थित शाखा सदस्यों ने अपने पूर्वजों की आत्मिक शांति और मोक्ष की कामना करते हुए सामूहिक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी मीडिया प्रभारी वेदिका सिंघानिया ने दी।

भारत में ब्याज दरों में बढ़ौतरी का चक्र प्रारंभ



स्फीति के लगातार बढ़ने से नागरिकों की क्रय शक्ति कमजोर हो जाती है। पुरे विश्व में लगभग समस्त देशों द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है ताकि नागरिक अपने खर्चों को बढ़ाने के लिए निरुत्साहित हों एवं इस धनराशि को वे बैंकों में जमा करें एवं साथ ही नागरिक बैंकों से ऋणराशि लेने हेतु भी निरुत्साहित हों क्योंकि ब्याज दर के बढ़ाने से ऋणराशि पर अब अधिक ब्याज देना होगा। इससे बाजार में उत्पादों की मांग में कमी आती है एवं उत्पादों की कीमतें कम होने लगती हैं और अंततः मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित होने लगता है। परंतु, ब्याज दरों में एक सीमा से अधिक वृद्धि करने से आर्थिक विकास दर विपरीत रूप से प्रभावित होने लगती है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में तो मुद्रा स्फीति का उल्लेख ही नहीं मिलता है क्योंकि उत्पादों की पूर्णात आपूर्ति बाजार में बनाए रखी जाती थी, बल्कि शास्त्रों में उत्पादों के दाम कम होते जाने का उल्लेख जरूर मिलता है। वर्तमान स्थिति बिलकुल भिन्न है, बाजार में उत्पादों की मांग बढ़ जाती है परंतु आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाती है, इससे इन उत्पादों की कीमतों में वृद्धि दृष्टिगोचर होने लगती है। प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, मूल्य वृद्धि को बाजार में वस्तुओं/उत्पादों की आपूर्ति को बढ़ाकर नियंत्रित

किया जाना चाहिए न कि इन उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास कर इन वस्तुओं/उत्पादों की कीमतों पर नियंत्रण स्थापित किया जाय। पूँजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत ब्याज दर में की गई वृद्धि के कारण बाजार पर होने वाले नकारात्मक प्रभाव को आंकने का प्रयास ही नहीं किया जाता है। यदि उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास किए जाएँ तो इन उत्पादों का निर्माण कम होगा, इससे विनिर्माण इकाईयों एवं इन इकाईयों में कार्यरत श्रमिकों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। उत्पादन कम होने के चलते विनिर्माण इकाईयों द्वारा बहुत सम्भव है कि श्रमिकों की छटनी की जाने लगे। इससे देश में बेरोजगारी फैल सकती है। परंतु, भारत में इस तरह की समस्या वर्तमान परिस्थितियों में बीच दिखाई नहीं देती है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी यह सम्भावना व्यक्त की गई है कि रेपो दर में की गई वृद्धि का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना लगभग शून्य है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को संशोधित कर इसे पूर्व के अनुमान 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया गया है। अन्यथा, सामान्यतः ब्याज दरों में वृद्धि का आर्थिक विकास दर पर विपरीत प्रभाव दिखाई देता है। भारत में आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। हाल ही के समय में विशेष रूप से

विनिर्माण के क्षेत्र एवं सेवा के क्षेत्र में आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। विभिन्न उत्पादों के निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहे हैं। निजी क्षेत्र में निवेश भी अब बढ़ने लगा है जबकि सरकारी क्षेत्र में निवेश तो पहिले से ही मजबूत बना हुआ है। बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली ऋणराशि में अतुलनीय वृद्धि दिखाई दे रही है एवं वस्तु एवं सेवा कर तथा आय कर एवं कारपोरेट कर के संग्रहण में मजबूत वृद्धि दिखाई दे रही है। भारत उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था है अतः स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों का बाजार भारत में ही उपलब्ध रहता है, केन्द्र सरकार की नीतियों के चलते इन उत्पादों के अन्य देशों से आयात को निरुत्साहित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं, अन्यथा यदि इन उत्पादों का आयात आसानी होने दिया जाय तो सम्भव है कि इन उत्पादों के साथ मुद्रा स्फीति भी आयातित होने लगे, जैसा महंगे कच्चे तेल के आयात से हो रहा है। भारत में बढ़ रही मुद्रा स्फीति के लिए कुछ हद तक अन्य देशों से आयातित उत्पादों (स्वर्ण, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, कच्चा तेल आदि) की बढ़ी हुई कीमतें भी जिम्मेदार हैं। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि के निर्णय के पीछे एक और महत्वपूर्ण कारण जिम्मेदार है। दरअसल, अमेरिका की केंद्रीय बैंक फूएस फेड रिजर्व ने यू एस फेड दर में वृद्धि की घोषणा की है। इससे, अमेरिकी में बांड यील्ड में अतुलनीय वृद्धि ध्यान में आई है। 30 वर्षीय बांड यील्ड बढ़कर 5.60 प्रतिशत के स्तर को पार कर गई है, जो वर्ष 2002 के बाद से सबसे अधिक है। इससे विदेशी संस्थानगत निवेशक, तेजी से विवास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से अपने निवेश की निकालकर अमेरिकी बांड में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। इसके चलते भारत सहित कई देशों की मुद्राओं की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से गिर रही है। अतः अपने देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से भी कई देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जा रही है ताकि विदेशी निवेश को अपने देश में आकर्षित किया जा सके। भारत में रेपो दर में वृद्धि से भारत के बांड बाजार में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर यील्ड में सुधार होगा जिससे विदेशी निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड में अपना निवेश बढ़ा सकते हैं। (प्रहलाद सबनानी- सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

संपादकीय

बड़ी दिमागी खोज

मानवता के कल्याण के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए, जिस प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी, इस बार चिकित्सा विज्ञान में खोज के लिये दिया जा रहा पुरस्कार उस कसीटी पर खरा उतरता है। मॉडिसिन के लिये वर्ष 2026 का नोबेल पुरस्कार अमेरिका और जर्मनी के तीन वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई है। कार्ल डेसरांथ, पीटर हेगमान और जॉर्ज नेगल को यह सम्मान दिमाग की कोशिकाओं को रोशनी से नियंत्रित करने वाली खोज के लिये मिला है। इस खोज ने दिमाग के अध्ययन करने का एक नया तरीका वैज्ञानिकों को उपलब्ध कराया है। उनकी खोज व अनुसंधान से ह्यऑप्टोजेनेटिक्सह्म तकनीक विकसित करने में मदद मिली है, जो मनुष्य की तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करने के लिये रोशनी का प्रयोग करती है। दरअसल, इस तकनीक का विचार इसके जटिल नाम से ज्यादा आसान है। उल्लेखनीय है कि मनुष्य के मस्तिष्क में अरबों नर्व सेल्स यानी न्यूरॉन्स होते हैं, जो इलेक्ट्रिकल और केमिकल सिग्नल्स के जरिये आपस में संवाद स्थापित करते हैं। विज्ञानी लगातार खोज करते रहे हैं कि मस्तिष्क की सक्रियता, याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित करने में न्यूरॉन्स समूहों की कैसी भूमिका होती है। निस्संदेह, यह वैज्ञानिकों के लिये एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि आधुनिक तकनीकों से दिमाग की गतिविधि पर तो नजर रखी जा सकती थी, लेकिन विभिन्न कोशिकाओं को ठीक से नियंत्रित करना कठिन था। इस खोज की शुरुआत पीटर हेगमान द्वारा हरे शैवाल के रोशनी की ओर तैरने के रहस्य को सुलझाने से हुई। हेगमान और नेगल ने एक ऐसा प्रोटीन खोजा जो नीली रोशनी पड़ने पर आयन चैनल खोलकर इलेक्ट्रिकल हलचल पैदा करता है। वैज्ञानिकों ने इस बात का अध्ययन किया कि यह प्रोटीन रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। अंततः इस खोज का प्रयोग न्यूरॉन्स को रोशनी के प्रति संवेदनशील बनाने के लिये किया गया। इसके बाद ही शोधकर्ता चुनिंदा तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय करके देख सके कि इसका कैसा प्रभाव होता है। माना जा रहा है कि दिमाग की कोशिकाओं का नियमन करने वाले स्विच बटन की खोज चिकित्सा विज्ञान में बड़े बदलाव का वाहक बन सकती है। अब तक वैज्ञानिकों को ज्ञात था कि किसी क्रिया या भावना की अभिव्यक्ति में दिमाग का कौन-सा हिस्सा सक्रिय था।

चिंतन-मनन

क्या है जीवन का सार

दुख एक मानसिक कल्पना है। कोई पदार्थ, व्यक्ति या क्रिया दुख नहीं है। संसार के सब नाम-रूप गद्या-हाथी, स्त्री-पुरुष, पशु-पक्षी, वृक्ष-लता आदि दुख हीने हैं। हम अपने को खिलौना मानेंगे तो गद्या या हाथी होने का सुख-दुख होगा, अपने को स्वर्ण, मूल्यघातु देखेंगे तो यह मनुष्य देह नहीं रहेगा। हम विवाद हैं, साक्षात् ब्रह्म हैं। जो मनुष्य इस जगत प्रपंच को सत्य देखता है, उसे माया ने ठग लिया है। जो पहले भी नहीं थे, आगे भी नहीं रहेंगे, बीच में थोड़ी देर को दिखाई दे रहे हैं, उन्हीं को सब कुछ समझ कर माया मोहित मनुष्य व्यवहार कर रहा है। तत्त्वज्ञान शिक्षा देता है कि जो कुछ दिखाई दे, उसे दिखाई देने दो, जो जन्मलता है, उसे बदलते दो, जो आता-जाता है, उसे आने जाने दो। यह सब जादू का खेल है। ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखयोनय एव ते। आद्यतन्वन्तः कौन्तेय न तेषु रमते पुनः। बुधः। में एक कथा आती है- महाराज जनक के जीवन में कोई भूल हो गई थी। मरने पर उन्हें यमलोक जाना पड़ा। वहां उससे कहा गया- नरक चलो। महाराज जनक तो ब्रह्मज्ञानी थे। उन्हें क्या स्वर्ग, क्या नरक। वे प्रसन्नतापूर्वक चले गए। नरक में पहुंचे तो चारों ओर से पुकार आने लगी- महाराज जनक जी! तनिक यहीं ठहर जाइए। महाराज जनक ने पूछा- यह कैसा शब्द है? यमदूतों ने कहा-नरक के प्राणी चिल्ला रहे हैं। जनक ने पूछा-क्या कह रहे हैं ये? यमदूत बाले-ये आपको रोकना चाहते हैं। जनक ने आश्चर्य से पूछा-ये मुझे यहां क्यों रोकना चाहते हैं? यमदूत बोले- ये पापी प्राणी अपने-अपने पापों के अनुसार यहां दारुण यातना भोग रहे हैं। इन्हें बहुत पीड़ा थी। अब आपके शरीर को स्पर्श करके पुण्य वायु इन तक पहुंचे तो इनकी पीड़ा दूर हो गई। इन्हें इससे बड़ी शांति मिली। जनक जी बोले-हमारे यहां रहने से इन सबको शांति मिलती है, इनका कष्ट घटता है तो हम यहीं रहेंगे। तात्पर्य यह है कि भला मनुष्य नरक में पहुंचेगा तो नरक भी स्वर्ग हो जाएगा और बुरा मनुष्य स्वर्ग में पहुंच जाए तो स्वर्ग को भी नरक बना डालेगा। अतः देखना चाहिए कि हम अपने चित्त में नरक भरकर चलते हैं या स्वर्ग लेकर। जब हमें लगता है कि समस्त विश्व मेरी आत्मा में है, तब रोग-द्वेष, संघर्ष-हिंसा के लिए स्थान कहाँ रह जाता है?



दिलीप कुमार पाठक

मान लीजिए, एक सात-आठ साल का बच्चा अपनी कॉपी लेकर बैठा है। आप उसे बी लिखने को कहते हैं, वह डी लिख देता है। आप उसे छह लिखने को बोलते हैं, वह नौ बना देता है। आप दो बार डांटते हैं, तीसरी बार हाथ उठा देते हैं। आपको लगता है कि वह जानबूझकर कर रहा है, उसका मन सिर्फ फोन चलाने या खेलने में है। लेकिन हो सकता है उस बच्चे को आपकी बात समझ ही न आ रही हो? उसे कॉपी के पन्ने पर लिखे शब्द सीधे दिखने के बजाय तैरते हुए या उल्टे दिखाई दे रहे हों? बस इसी उलझन का नाम डिस्लेक्सिया है।

लेखक



बालूलाल मरांडी

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ ही ऐसे अवसर आते हैं जब एक जननेता का सार्वजनिक जीवन स्वयं में एक युग बन जाता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष ऐसे ही युग के 25 वर्ष हैं। 7 अक्टूबर 2001 से शुरू हुई यह संवैधानिक यात्रा आज 25 वर्ष पूरे कर रही है। यह यात्रा केवल सत्ता की नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और संकल्प की अविरल यात्रा है। इसी गौरवमयी अवसर पर भारतीय जनता पार्टी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक पूरे देश में 'हसेवा संकल्प अभियान'र मना रही है। यह उत्सव किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस विचार का है जिसने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनाया।

गुजरात - विकास की प्रयोगशाला

जब 2001 में श्री नरेंद्र मोदी जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री का दायित्व संभाला, तब गुजरात भूकंप की तबाही से जूझ रहा था। प्रशासन बिखरा हुआ था, जनता में निराशा थी। लेकिन उन्होंने आपदा को अवसर में बदला। उन्होंने गुजरात को तीन मंत्र दिए - सुशासन, विकास और जन-भागीदारी। कृषि के क्षेत्र में ज्योतिग्राम योजना ने गांव-गांव को 24 घंटे बिजली दी, जिससे कृषि क्रांति आई। कृषि महोत्सव के माध्यम से वैज्ञानिकों को खेत तक पहुंचाया गया। पानी के लिए उन्होंने नर्मदा के जल को सुजलाम-सुफलाम योजना से गुजरात के कोने-कोने तक पहुंचाया। चेक डैम और भूगिरिया से जल संरक्षण का मॉडल बना। उद्योग में वाइब्रेट गुजरात समिट ने दुनिया के निवेशकों को गुजरात की ओर आकर्षित किया। यह समिट आज भारत के औद्योगिक विकास का मॉडल है। जन-कल्याण में 'चिर'जीवी योजना, बाल भोग योजना, 108 आपात सेवा, कन्या

केलवणी और शाला प्रवेशोत्सव जैसी योजनाओं ने सामाजिक विकास की नई परिभाषा लिखी। भुज के ध्वस्त शहर को उन्होंने दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला शहर बना दिया। गुजरात में उन्होंने सिद्ध किया कि यदि नीति स्पष्ट हो, नीयत साफ हो और नेतृत्व में राष्ट्रहित सर्वोपरि हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है।

राष्ट्रीय पटल पर परिवर्तन - 2014 से नया भारत

2014 में देश ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया। घोटालों और नीतिगत पंगुता से जूझते देश ने श्री नरेंद्र मोदी जी को प्रधानमंत्री के रूप में चुना। उन्होंने हसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासर का मंत्र दिया।

पिछले 12 वर्षों में शासन को गरीब की झोपड़ी से जोड़ा गया

गरीब कल्याण: 50 करोड़ से अधिक जनधन खाते खुले, 11 करोड़ से अधिक शौचालय बने, 4 करोड़ से अधिक प्रधानमंत्री आवास बने, 10 करोड़ से

अधिक बहनों को उज्ज्वला योजना से धुएँ से मुक्ति मिली, जल जीवन मिशन से 14 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल पहुंचा, और आयुष्मान भारत से 55 करोड़ लोगों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिला। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देकर उन्होंने कोई गरीब भूखा न सोए, यह सुनिश्चित किया। किसान और गांव: पीएम किसान सम्मान निधि से 11 करोड़ किसानों को सीधी मदद, यूरिया की नीम कोटिंग से कालाबाजारी खत्म, एमएसपी में ऐतिहासिक वृद्धि और पीएम फसल बीमा योजना ने किसान को सम्मान और सुरक्षा दी। नारी शक्ति: तीन तलाक से मुक्ति, बेटेी बचाओ-बेटेी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि, महिला आरक्षण बिल और लखपति दीदी योजना ने महिलाओं को केंद्र में लाया। युवा और आत्मनिर्भर भारत: मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया से भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। आज भारत मोबाइल निर्माण में दुनिया में दूसरे नंबर पर है।

राष्ट्र सर्वोपरि - निर्णायक भारत

मोदी जी ने दिखाया कि राष्ट्रहित में

कठोर निर्णय कैसे लिए जाते हैं। धारा 370 और 35अ को हटाकर जम्मू-कश्मीर को पूरी तरह से भारत के साथ जोड़ा गया। अयोध्या में 500 वर्षों के बाद भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बना। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने दुनिया को बताया कि न्याय भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। कोरोना काल में जब दुनिया रुक गई थी, तब भारत ने 220 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज लगाकर और 100 से अधिक देशों को वैक्सीन भेजकर विश्वगुरु की भूमिका निभाई। आज चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर है, आदित्य छ-1 सूर्य का अध्ययन कर रहा है और वंदे भारत ट्रेनें देश को नई गति दे रही हैं।

झारखंड और आदिवासी गौरव

झारखंड के लिए प्रधानमंत्री जी का विशेष लगाव है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करना, रांची में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय बनाना, उलिहातू का विकास और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से आदिवासी समाज को सम्मान और विकास दोनों मिले हैं। आज झारखंड में सड़क, रेल, हवाई अड्डा, एम्स, ट्राइबल

यूनियर्सिटी जैसी योजनाएं केंद्र के सहयोग से तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

सेवा ही संगठन - हमारा संकल्प

प्रधानमंत्री जी का जीवन हमें सिखाता है कि कार्यकर्ता ही संगठन की आत्मा है। उन्होंने संगठन के एक साधारण कार्यकर्ता से प्रधानमंत्री तक की यात्रा में कभी भी सेवा का भाव नहीं छोड़ा। 7 अक्टूबर को होने वाली सेवा ज्योति यात्रा और 17 सितंबर को हर गांव में जलने वाला आशीर्वाद का दीया, इसी सेवा भावना का प्रतीक है। झारखंड भाजपा का प्रतीक है। आदिवासी संघर्ष के संस्कार बनाएगा। 25 वर्ष की यह यात्रा नरेंद्र मोदी जी की व्यक्तितगत यात्रा नहीं है। यह 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास की यात्रा है। यह एक कार्यकर्ता के तप, त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण की यात्रा है। आइए, हम सब मिलकर इस यात्रा को नमन करें और विकसित भारत 2047 के संकल्प को झारखंड की धरती से नई ऊर्जा दें। सेवा से संगठन, संगठन से राष्ट्र और राष्ट्र से विश्वगुरु भारत - यही हमारा पथ है, यही हमारा लक्ष्य है।

यात्रा



सुनहरी आभा का जैसलमेर

राजस्थान के पश्चिमी छोर पर थार मरुस्थल में बसे इस खूबसूरत शहर के किले, प्राचीन मंदिरों और रेत पर ऊंट की सवारी का लुत्फ लेने के लिए अब तमाम साधन उपलब्ध हैं। देश के सबसे गर्म शहरों में शुमार जैसलमेर को रेतीली जमीन पर बसा होने के कारण पहले मेरू नाम से जाना जाता था। सन 1156 में जैसलमेर की स्थापना भाटी राजा जैसल ने की थी और 12 साल तक यहाँ शासन किया।



लुभाने लगे तालाब और स्तूप

मध्य प्रदेश के प्राचीन धरोहरों की तरफ पूरी दुनिया के पर्यटक मानो खिंचे चले आ रहे हैं। बिहार के बौद्ध सर्किट की तरह ही मध्य प्रदेश भी विश्व पर्यटन पर अपना अमिट अक्स छोड़ने लगा है। भोपाल की गैस त्रासदी दिल दहलाने वाली जरूर है लेकिन इस शहर का एक दूसरा रूप भी है जो मन और आँखों को मोहने वाला है। तालाबों के शहर भोपाल की गंगा जमुनी संस्कृति आधुनिकता का आवरण पहने सैलानियों के मन प्राण पर छा रही है। भोपाल ही नहीं खजुराहो और मांडू जैसे पर्यटन क्षेत्र भी पर्यटकों के जमघट के गवाह बन रहे हैं। प्राचीन धरोहरों से समृद्ध यह प्रदेश आधुनिकता के हाईवे पर भी किसी से पीछे नहीं है। राजधानी भोपाल को नए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स व मॉल जैसे आधुनिक रूपों ने भी सजाया है। अरेरा और शामला हिल्स स्थित रेस्तरां, म्यूजियम और होटल सैलानियों के लिए खासे चर्चित हो रहे हैं। %भोपाल ब्यूटी% के नाम से चर्चित ऊपरी तालाब में स्पीडबोटों में आनंद की अउखेलियों में डूबते-उतरते धनी लोग एक अनोखा दृश्य उपस्थित करते हैं। तालाबों के उत्तर में पुराना शहर है। भोपाल से 46 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में गोलाई लिए एक पहाड़ी का अभ्युदय हुआ है, जिसे सांची के नाम से जाना जाता है। इस पहाड़ी पर भारत के कुछ अति प्राचीन बौद्ध स्थल बने हुए हैं। सांची का बौद्ध स्तूप अपनी गरिमा और ऐतिहासिकता के साथ मध्य प्रदेश की गरिमा में चार चांद लगा रहा है। कलिंग युद्ध के बाद बौद्ध मौर्य सम्राट अशोक ने स्तूप बनाने के लिए अपनी पत्नी के जन्म स्थान के पास इस जगह को चुना। बुजों से सजा यह स्थल धार्मिक अवशेषों का संग्रह करने के लिए बनाया गया था। इस इलाके में यह पहला बौद्ध स्मारक है। अल सुबह और शाम इन स्तूपों की छटा में जो निखार आता है, उसे देख कर ही महसूस किया जा सकता है। सांची के आसपास सोनारी, सतधारा, अंधेर, गिरासपुर जैसे बौद्ध स्थल बिखरे पड़े हैं। सांची से 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्व बेतवा और बेस नदियों से सिंचित विदिशा ईशा पूर्व 5वीं और 6ठी शताब्दी में वाणिज्य का एक बड़ा केंद्र था। विदिशा भी पर्यटकों के लिए प्राचीन धरोहरों का एक अप्रतिम स्थल साबित होता है। इस सरजर्मी के इतिहास को सम्राट अशोक, सिंधिया और मुगलों के आगमन ने समृद्ध किया है। खजानों के देवता कुबेर यक्ष की पत्थर की तीन मीटर ऊंची प्राचीन मूर्ति पर्यटकों के आकर्षण का बड़ा केंद्र बन रही है। वहाँ के अन्य प्राचीन आकर्षणों में प्रेम आलिंगन में बद्ध 11वीं सदी में ढली साँप दंपति, हनुमान एवं प्रेम के देवता कामदेव की मूर्तियाँ शामिल हैं। खजुराहो मंदिर यूनेस्को की विश्व-विरासत की सूची में शामिल है। विश्व पर्यटन के मानचित्र में खजुराहो का नाम प्रमुखता से उभर रहा है। खजुराहो कामाशस्त्र पर आधारित मूर्तियों का समूह है। यह परिसर चंदेल वंश के राजाओं के समय 950 ई. से 1050 ई. के बीच बना था, जिसमें 85 मंदिर थे, हालाँकि अब सिर्फ 22 मंदिर ही बचे हैं। इनके अलावा यहाँ सिर्फ कंदरिया महादेव का मंदिर ही बचा है। यह मंदिर पाँच मुख्य वर्गों में विभाजित है, जिनमें तीन वर्ग छोटे मंदिरों के हैं। मंडप में प्रवेश करने पर सभाकक्ष पड़ता है, फिर एक गलियारा पार करने पर मंदिर का गर्भगृह मिलता है, जहाँ प्रतिमा स्थापित है। ऊँचे चबूतरे पर स्थित इन मंदिरों में कुछ बड़े, कुछ छोटे मंदिर हैं।



आनंदपुर साहिब गुरुद्वारा

भारत में प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में सबसे प्रथम स्थल है आनंदपुर साहिब का गुरुद्वारा। सिख धर्म के लोग में यह गुरुद्वारा जागृत है। मान्यता है कि इस गुरुद्वारे में मत्था टेकने वाले श्रद्धालुओं की दूरी पूरी होती है। यह गुरुद्वारा पंजाब के उत्तर-दक्षिण क्षेत्र में चंडीगढ़ से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सन् 1664 में श्री गुरु तेग बहादुर ने माकहोवाल के प्राचीन क्षेत्र में आनंदपुर साहिब गुरुद्वारा बनवाया था। गुरु गोबिंद सिंह ने इस स्थल पर 25 साल आनंदपुर में व्यतीत किया है। सन् 1936 –1944 में तख्त केसरगढ़ साहिब बनाया गया। स्थानीय लोगों का मानना है कि तख्त साहिब में प्राचीन शस्त्र पाए गए हैं। तख्त साहिब के वास्तुशिल्प में एक बड़ा भवन निर्मित किया है एवं इमारत के सामने एक खूबसूरत वाटिका है। गुरुद्वारा के दर्शन करने भटिंडा से लेकर बर्मिधम के निवासी इस स्थल के दर्शन करने आते हैं। मार्च के महीने में होला मोहल्ला एवं बैसाख के महीने में कई लोग इस त्योहार को मनाते हैं। अप्रैल महीने में बैसाख का त्योहार धूमधाम एवं खुशियों से मनाया जाता है। होला मोहल्ला त्योहार दसवें गुरु गोबिंद सिंहजी ने मनाया है। हजारों श्रद्धालु यहाँ एकत्र होते हैं। रंगबिरंगे गुलाल के खेल में मन भाव विभोर हो जाता है। सन् 1999 में मनाया गया बैसाख पर खालसा पंथ के 300 साल पूरे हुए। पंजाब के प्रसिद्ध नृत्य-संगीत से त्योहार का प्रारम्भ होता है।



धरती का स्वर्ग है मॉरीशस

मॉरीशस के प्राकृतिक सौन्दर्य को देखकर ऐसा लगता है मानो धरती से स्वर्ग में आ गए हों। मॉरीशस की मुद्रा रुपी है परन्तु यूरोप के पर्यटकों के लिए वस्तुओं की कीमत युरो में होगी। इस द्वीप में सफर करने के लिए मई से दिसंबर तक का समय उपयुक्त है। इस क्षेत्र की प्रमुख भाषा क्रियोल है। अन्य भाषाएँ जो यहाँ प्रचलित हैं, वे हैं अँग्रेजी, फ्रेंच, हिंदी, क्रियोल।

बासिन। मॉरीशस का क्षेत्रफल 330 वर्ग किलोमीटर है तथा आसपास समुद्री किनारे हैं। समुद्र के किनारे कोरल रीफ(समुद्र के पास पाया जाने वाला एक विशेष पौधा) से घिरे हुए हैं। समुद्र के किनारे मनोरंजन की सारी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विभिन्न प्रकार की जलीय क्रीड़ाएँ खेल पर्यटकों के मध्य लोकप्रिय हैं जैसे वाटर सर्फिंग, वाटर स्कीइंग, पैरासेलिंग, सबमैरीन डाइव, जल स्क्टर, राइडिंग, ट्यूब राइडिंग, वोट सेलिंग आदि। पोर्ट लुईस एक प्रमुख व्यापारिक तथा पर्यटक स्थल है। इस

शहर में घूमने के लिए आप बाल्टर बीच(पुल) पर टहल सकते हैं। इस बीच का प्राकृतिक सौन्दर्य मनभावन है। थोड़ी ही दूर में वालेंटियर प्वाइंट पर्यटक स्थल है। मॉरीशस में मोका एक प्रमुख शहर है। यहाँ पर आप महात्मा गाँधी इंस्टीट्यूट देख सकते हैं। रोस हिल – इस शहर में खरीदारी के लिए माल्स, अरब टाउन मार्केट तथा टाउन सेंटर बाज़ार प्रसिद्ध हैं। क्योरपाइप – यह शहर शॉपिंग तथा भारतीय वस्त्रों के लिए प्रसिद्ध है। बॉटनिकल गार्डन्स तथा ट्राउ और सर्फस क्रेंटर अब पर्यटक स्थल के

रूप में लोकप्रिय हैं। माहेबर्ग में नेशनल हिस्ट्री म्यूजियम एक महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल है। यहाँ पर नाट्री डेम देस एग्रेस (चर्च) प्रसिद्ध स्थल है। मॉरीशस में हस्तशिल्प बहुत ही प्रसिद्ध है। यह कला काफी सालों से चलती आ रही है। पैंपलमाउसेस – यहाँ का शुगर एडवेंचर म्यूजियम बहुत ही मशहूर है। इस म्यूजियम में मॉरीशस के सांस्कृतिक तथा साहित्यिक जानकारीयाँ उपलब्ध हैं। कासेला बर्ड पार्क – ब्लैक नदी के पास स्थित यह पार्क 20 किलोमीटर जमीन पर स्थित है।



सभी के मन में उत्सुकता रहती है कि आर्कटिक में कितनी ठंड होगी, कितनी बर्फ गिरती होगी, लोग कैसे रहते होंगे, वे क्या करते होंगे, क्या खाते होंगे, क्या पैदावार होती होगी आदि-आदि। इन्हीं जिज्ञासाओं के समाधान के लिए हमने वहाँ की यात्रा करने का निश्चय किया। सेलिब्रिटी कर्जुज की यह यात्रा बारह दिनों की थी तथा एम्सटरडम (नीदरलैंड) से शुरू हुई। यात्रा सेन्टुरी जहाज से शुरू हुई। यह जहाज चौदह मंजिला है। यह यात्रा नावें के समुद्र तट के साथ चलते हुए आर्कटिक सर्कल को पार करते हुए नॉर्थ केप पहुँची। समुद्र किनारे पर सैकड़ों स्थानों पर समुद्र पृथ्वी के अंदर तक पहुँच जाता है। कहीं-कहीं तो यह मौलों तक होता है। ये रास्ते ऊँचे पहाड़ों से भारी ग्लेशियरों के तेज प्रवाह के कारण सैकड़ों वर्षों से बनते आ रहे हैं। इन्हें फ्यूर्ड कहते हैं। इन फ्यूर्ड्स में गिरनार फ्यूर्ड, हारडेनार फ्यूर्ड, नार्ड फ्यूर्ड तथा सोगेने फ्यूर्ड काफी बड़े एवं दर्शनीय हैं। तीसरे दिन सुबह एलसंड पहुँचे। नावें के उत्तर-पश्चिम समुद्र तट पर बसा यह शहर इस देश का सबसे बड़ा मछली उत्पादक स्थान है। यहाँ सन्तमोर म्यूजियम, मार्बल चर्च, अटलांटिक सी पार्क दर्शनीय स्थल हैं। दिनभर यहाँ सैर करने के पश्चात शाम को जहाज आगे की यात्रा के लिए चल दिया। अगले दिन हम लोग समुद्र में ही रहे।

संवैधानिक पाप करने वालों को चुनाव चिन्ह क्यों : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना के चुनाव चिन्ह विवाद पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि दल-बदल को संविधान के तहत ‘संवैधानिक पाप’ माना जाता है, तो ऐसे मामलों में शामिल लोगों को चुनाव चिन्ह का लाभ क्यों दिया जाए? सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि मामला केवल धनुष-बाण चुनाव चिन्ह तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि चुनाव चिन्ह आवंटित करते समय विधायकों की संख्या को कितना महत्व दिया जाना चाहिए। खासकर तब, जब उन्हीं विधायकों की अयोग्यता से जुड़ी कार्यवाही लंबित हो। अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि संगठनात्मक समर्थन को बहुमत का सुरक्षित आधार कैसे माना जा सकता है। मामला शिवसेना में विभाजन के बाद चुनाव चिन्ह आवंटन से जुड़ा है। सुनवाई बुधवार को भी जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के सवालों से संकेत मिलता है कि वह चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया और उसके संवैधानिक प्रभावों की गहराई से समीक्षा कर रहा है।

मुंबई पुलिस ने की 2.53 करोड़ की नाइट्राजेम और अल्पाजोलम टेबलेट जब्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल, वलीं युनिट ने नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 2.53 करोड़ रुपए की नाइट्राजेम और अल्पाजोलम टेबलेट जब्त की हैं। यह मामला 6 अक्टूबर की रात का है और उसी दिन मामला दर्ज किया गया। मुंबई में अवैध नशे की खरीद, बिक्री और सप्लाई में शामिल लोगों की जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक शख्स गोवंडी, मुंबई इलाके में नशे वाली गोशियां बेच रहा है। सूचना की पुष्टि करने के बाद पुलिस ने आरोपी के घर की तलाशी ली। तलाशी में निटकोर-10 ब्रांड की 4,500 नाइट्राजेम गोशियां बरामद की गईं, जिसकी कीमत 1.98 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इसके साथ ही पुलिस ने प्रोक्लाम-1 ब्रांड की 5,300 अल्पाजोलम गोशियां भी जब्त कीं, जिसका वजन करीब 689 ग्राम है और कीमत 55.92 लाख रुपए है। इस तरह कुल 9,800 नाइट्राजेम और अल्पाजोलम गोशियां जब्त की गईं, जिसकी कुल कीमत करीब 2.53 करोड़ रुपए है। यह ऑपरेशन मुंबई पुलिस कमिश्नर की देखरेख में पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पता लगा रहा है कि ये दवाएं कहाँ से लाई गईं और इनका नेटवर्क कितना बड़ा है। बता दें नाइट्राजेम और अल्पाजोलम दोनों बेंजोडायजेपेडिन वर्ग की दवाएं हैं जो मस्तिष्क को शांत करने का काम करती हैं।

असम राइफलस के जवान की गोली लगने से मौत, सीएम माझी ने जताया शोक

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के रायगड़ा जिले के रहने वाले असम राइफलस के जवान वी तेजा की नगालैंड में गोली लगने से मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जवान की मौत उनके 31वें जन्मदिन से महज दो दिन पहले हुई। उन्होंने बताया कि 15वीं असम राइफलस के राइफलमैन तेजा को सोमवार को गोली लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि तेजा की शादी 10 दिसंबर को होनी थी। ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी और विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने तेजा के निधन पर शोक जताया है। सीएम ने पोस्ट में कहा कि नगालैंड में इयुटी पर तैनात 15वीं असम राइफलस के बहादुर सैनिक राइफलमैन वी. तेजा के असामयिक निधन की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। मातृभूमि की सेवा में उनका सर्वोच्च बलिदान और समर्पण हमेशा हमारी स्मृतियों में अंकित रहेगा। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में मैं शोक संसार परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। नवी पटनायक ने एएस पर कहा कि असम राइफलस के उडिया सैनिक वी तेजा ने जो बहादुरी दिखाई, वह अतुलनीय है। उन्होंने नगालैंड में देश की रक्षा के लिए चलाए जा रहे अभियानों के दौरान शहीद होकर अद्वितीय बलिदान दिया।

आपतिजनक टिप्पणी विवाद में हनी सिंह को साइबर पुलिस का समन, सिंगर ने मांगा और वक्त

मुंबई (एजेंसी)। रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह फिर विवादों में हैं। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने उन्हें एक कार्यक्रम के दौरान की गई कथित आपतिजनक टिप्पणी के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, सोमवार को हनी सिंह जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं हुए और उन्होंने पूछताछ में शामिल होने के लिए पुलिस से कुछ और समय मांगा है। महाराष्ट्र साइबर पुलिस की ओर से हनी सिंह को समन भेजकर निर्धारित समय पर जांच अधिकारियों के सामने उपस्थित होने को कहा गया था। यह कार्रवाई एक शिकायत के बाद की गई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कार्यक्रम में सिंगर द्वारा कही गई कुछ बातें आपतिजनक थीं। शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू हुई और इसी मामले में हनी सिंह से पूछताछ होनी थी। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस जांच में जुटी है और अब सिंगर के पेश न होने के बाद आगे की कार्रवाई पर सबकी नजर है। यह पहली बार नहीं है जब हनी सिंह विवादों में घिरे हैं। उनका विवादों से पुराना नाता रहा है, खासकर उनके गानों और लाइव परफॉर्मेंस को लेकर अक्सर विवाद होता है। इसके पहले भी मई में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक संगठन की याचिका पर उनसे हलफनामा दाखिल करने को कहा था।

‘जेन जी’ ‘जेन अल्फा’ के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी को साथ लेकर चल रहे राहुल गांधी

–सांसद पप्पू यादव ने विपक्ष की एकजुटता और लोकतंत्र के मुद्दे पर केंद्र पर बोला हमला

नई दिल्ली , एजेंसी। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने विपक्ष की एकजुटता और लोकतंत्र के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष को पूरी तरह मजबूत किया जा सकता है और राहुल गांधी देश की ‘जेन जी’ और ‘जेन अल्फा’ पीढ़ी के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी को साथ लेकर चल रहे हैं। पप्पू यादव ने कहा कि देश के सामाजिक संगठनों और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों समेत विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए राहुल गांधी किसी तरह की राजनीति नहीं करेंगे। विपक्षी दलों का ‘इंडिया’ गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा के साथ गरीब, कमजोर, मध्यम वर्ग, निम्न-मध्यम वर्ग और सामान्य वर्ग के मतदान अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ रहा है। पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी पिछले तीन सालों से ‘वोट चोरी’ के



मुद्दे को लगातार उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी एक दिन का मुद्दा नहीं है, बल्कि पिछले तीन-चार सालों से अलग-अलग मंचों पर इसे उठया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा सहित कई राज्यों में अलग-अलग तरीकों से लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित किया गया और लंबे समय तक सत्ता में बने रहने के लिए लोकतंत्र

को नुकसान पहुंचाया। यादव ने कहा कि जब पूरा देश इस मुद्दे पर सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने को तैयार है, तो सरकार सच्चाई सामने लाने से क्यों बच रही है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार सच बोलने की हिम्मत क्यों नहीं जुटा पा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को गवाह बनकर यह बताना चाहिए कि उनके पीछे कौन-कौन लोग हैं। पप्पू यादव ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए सवाल किया कि संबंधित लोगों को एक मिन्ट भी पद पर बने रहना चाहिए या नहीं। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या किसी जिम्मेदार व्यक्ति को यह कहकर जवाबदेही से बचने का अधिकार है कि उसे जानकारी नहीं थी या उसने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि टीसीएस से जुड़े मामलों में भी कई सवाल उठे हैं और इन मामलों की पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए।

जंतर-मंतर पर सीजेपी के अगले प्रदर्शन पर सस्पेंस: 10 अक्टूबर की अनुमति लंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। कोंकरेच जनता पार्टी (सीजेपी) फिर दिल्ली में प्रदर्शन की तैयारी में है, इसका प्रस्तावित आयोजन 10 अक्टूबर को होना है। दिल्ली पुलिस को इसकी जानकारी दी गई है और उसका एक्नॉलिजमेंट भी मिला है, लेकिन अभी तक प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली है। सीजेपी के सौरव दाम ने बताया कि यह सिर्फ सीजेपी का नहीं, बल्कि जेन-जेड का प्रदर्शन होगा, जिसका लक्ष्य मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाना है। हालांकि, नई दिल्ली इलाके में फिहाल भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है, जो आगामी प्रदर्शन को लेकर पुलिस के फैसले पर अनिश्चितता बढ़ाती है। पिछली बार, 3 अक्टूबर को हुए सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान एक नया विवाद खड़ा हो गया था। तीन महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर कथित यौन उत्पीड़न और बदसलूकी के गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने शिकायतों को निष्पक्ष जांच के लिए फ़ाइल बांच को भेज दिया। इसी मामले को लेकर पत्रकारों और प्रदर्शनकारियों ने सांसद मार्ग थाने के बाहर

एफआईआर दर्ज करने की मांग पर धरना देकर कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया। इस दौरान एसीपी विवेक भगत का नाम भी विवादों में आया, जिन्होंने कथित शिकायतों की जांच पूरी होने तक एडिशनल डीसीपी का चार्ज न लेने की इच्छा जताई, जिसे दिल्ली सरकार ने स्वीकार कर लिया। सीजेपी का दिल्ली में प्रदर्शनों का रिकॉर्ड पहले ही हंगामेदार रहा है। जुलाई में संगठन के ‘संसद चलो’ मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखा टकराव हुआ था, जिसमें बैरिकेड तोड़े गए, आंसू गैस के गोले छोड़े गए और लाठीचार्ज भी हुआ। इस दौरान कई पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारी घायल हुए थे और दिल्ली पुलिस ने कई एफआईआर दर्ज की थीं। हालांकि, बाद में पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि वे जुलाई के सीजेपी प्रदर्शनों से जुड़ी 13 एफआईआर पर आगे कार्रवाई नहीं करना चाहती। अब 10 अक्टूबर के प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर फिर संगठन अपनी आवाज सड़क पर उठाने को तैयार है, लेकिन पिछली घटनाओं और लागू बीएनएसएस धारा 163 के कारण पुलिस के सामने एक बड़ी चुनौती है।

जनसेवा को जीवन का ध्येय बनाकर राष्ट्रसेवा के पथ पर बड़े प्रधानमंत्री मोदी : नितिन नवीन

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार के प्रमुख (हेड ऑफ गवर्नमेंट) के रूप में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने जनसेवा को अपने जीवन का ध्येय बनाया और सत्ता को सेवा का माध्यम मानकर राष्ट्रसेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहे।

इंदिरा गांधी स्टेडियम इंदौर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बुधवार को नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सेवा और समर्पण की 25 वर्षों की अनवरत एवं अविचल यात्रा के लिए वह 140 करोड़ देशवासियों और भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं की ओर से उन्हें हार्दिक



शुभकामनाएं और बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने परिश्रम और समर्पण से देशवासियों के जीवन में विकास, आत्मविश्वास और स्वाभिमान का उजाला फैलाने का निरंतर प्रयास किया

है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का सार्वजनिक जीवन जनसेवा को राष्ट्रसेवा से जोड़ने और राजनीति को सेवा का माध्यम बनाने के संकल्प की यात्रा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2026 को सरकार के मुखिया के रूप में अपने 25 वर्ष पूरे कर लिए। उनके सार्वजनिक जीवन की यह यात्रा 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई थी। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर लगातार तीन कार्यकाल पूरे किए। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में करीब 13 वर्षों की जिम्मेदारी संभालने के बाद नरेन्द्र मोदी ने 26 मई 2014 को देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके

बाद 2019 में दूसरी बार और जून 2024 में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। इस तरह मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक उनका करीब ढाई दशक का सफर पूरा हुआ है। जून 2026 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार कार्यकाल के मामले में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। वह लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बने। इस मामले में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के लगातार कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। 25 वर्षों के इस सफर में गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का



सीएम सैनी के सिंगापुर दौरे के बाद 5,500 करोड़ के निवेश की बढ़ी संभावना

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नयब सिंह सैनी अपना तीन दिवसीय सिंगापुर दौरा पूरा कर भारत लौट आए हैं। इस दौरे के दौरान विभिन्न कंपनियों और संस्थानों ने हरियाणा में करीब 5,500 करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौता जपानों (एमओयू) पर सहमति जताई है। इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ-साथ आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं, जल प्रबंधन, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों को गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनका सिंगापुर दौरा ‘विकसित हरियाणा-विकसित भारत’ के संकल्प को मजबूत करने वाला साबित होगा। उन्होंने जोर दिया कि हरियाणा के प्रति वैश्विक निवेशकों की बढ़ती रुचि यह दर्शाती है कि प्रदेश निवेश, नवाचार और उद्योग के लिए एक भरोसेमंद एवं आकर्षक गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को पारदर्शी प्रशासन, बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत आधारभूत ढांचा, कुशल मानव संसाधन



और अनुकूल कारोबारी माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि इन निवेश प्रस्तावों को सम्यबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। सिंगापुर दौरे के दौरान सबसे अधिक, करीब 3,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव हेल्थ एवं वेलनेस क्षेत्र में मिले। इनसे हरियाणा में अत्याधुनिक अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवा केंद्रों और वेलनेस सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ चिकित्सा अनुसंधान और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा

मिलने की संभावना है। सिंगापुर की उन्नत जल प्रबंधन तकनीकों से प्रेरित होकर, जल उपचार एवं प्रबंधन क्षेत्र में भी निवेशकों ने विशेष रुचि दिखाई, जिसके तहत करीब 1,500 करोड़ रुपये के निवेश पर सहमति बनी है। इन निवेशों से आधुनिक जल उपचार संयंत्रों, सीवेज ट्रीटमेंट, औद्योगिक जल प्रबंधन, जल के पुनः उपयोग और स्मार्ट जल प्रबंधन प्रणालियों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में जल संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

एसआईआर के खिलाफ सत्याग्रह पर एफआईआर से नाराज कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विपक्षी दलों के प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी लंबे समय से कथित वोट चोरी के मुद्दे को तथ्यों के साथ उठा रहे हैं और इसी के विरोध में किए गए सत्याग्रह पर पुलिस ने कार्रवाई की है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि राहुल गांधी करीब दो

वर्षों से प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मुख्य चुनाव आयुक्त के बीच कथित ‘वोट चोरी की साजिश’ को तथ्यों के जरिए सामने ला रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया से करोड़ों वास्तविक मतदाताओं के मतदान के संवैधानिक अधिकार पर असर पड़ा है। कांग्रेस ने कहा- दबाव में है सरकार - जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी द्वारा एसआईआर की कथित विसंगतियों और अन्याय के खिलाफ सत्याग्रह किए जाने के बाद दिल्ली पुलिस ने उनके और अन्य नेताओं के खिलाफ

एफआईआर दर्ज की। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार और चुनाव आयोग इस मुद्दे को लेकर दबाव में हैं। विपक्षी दल एसआईआर की प्रक्रिया पर लगातार सवाल उठा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वहीं चुनाव आयोग अपने स्तर पर प्रक्रिया को नियमों के तहत होने वाला पुनरीक्षण बता रहा है। आकाशवाणी भवन में दिया था धरना दरअसल, मंगलवार को विपक्षी दलों के सांसद संसद के मकर द्वार पर एकत्र हुए थे। उन्होंने एसआईआर से जुड़े मुद्दों और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार

के इस्तीफे की मांग को लेकर चुनाव आयोग के मुख्यालय की ओर मार्च किया। दिल्ली पुलिस ने चुनाव आयोग की ओर जाने वाले रास्तों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों को आकाशवाणी भवन के पास रोक दिया गया। इसके बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस के कुछ अन्य नेता परिसर में दाखिल हो गए और वहां धरने पर बैठ गए। पुलिस के अनुसार प्रदर्शनकारियों से परिसर खाली करने के लिए कहा गया, लेकिन उनके वहां बैठे रहने पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा समेत



अन्य नेताओं को हिरासत में लिया गया। बाद में सभी को रिहा कर दिया गया।

भाजपा की भव्य सेवा-ज्योति यात्रा, हजारों कार्यकर्ताओं ने दिखाया संगठनात्मक दम

17 मंडलों से बाइक रैली के माध्यम से जिला मुख्यालय पहुंचे कार्यकर्ता, सेवा-संकल्प और विकसित भारत का दिया संदेश

बिभा संवाददाता
साहेबगंज । भारतीय जनता पार्टी साहेबगंज जिला की ओर से सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव के नेतृत्व में भव्य सेवा-ज्योति यात्रा निकाली गई। जिले के सभी 17 मंडलों से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता बाइक रैली के माध्यम से जिला मुख्यालय पहुंचे। रेलवे इंस्टीट्यूट मैदान में कार्यकर्ताओं का एकत्रीकरण हुआ, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना। इसके बाद



कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली के साथ साहिबगंज नगर का भ्रमण किया। वहीं कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव, बोरियो विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक लोबिन हेन्ब्रम और जिला प्रभारी अमृत पांडेय मौजूद रहे। कार्यक्रम प्रभारी एवं नमामि गंगे के प्रदेश

संयोजक राजेश मंडल, संयोजक सागर मंडल और सह-संयोजक विष्णु जायसवाल की भी विशेष उपस्थिति रही। वहीं जिला टोली के संयोजक धनंजय मंडल तथा सह-संयोजक चंदन शर्मा, अजय चौधरी, लालन राय और चांदनी देवी समेत टोली के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में



सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृपानाथ मंडल, रामानंद साह, धर्मेन्द्र कुमार, मंडल मुर्मु, पूर्व जिलाध्यक्ष रणधीर सिंह, प्रदीप अग्रवाल, उज्जवल मंडल समेत जिला पदाधिकारी, 17 मंडलों के अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में

कार्यकर्ता शामिल हुए। सेवा-ज्योति यात्रा के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा, समर्पण और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। यात्रा के दौरान साहेबगंज नगर में कार्यकर्ताओं की एकजुटता और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

संक्षिप्त खबरें

अनुमंडल अस्पताल में मासिक समीक्षात्मक बैठक, दिये आवश्यक दिशा निर्देश



राजमहल(बिभा) । राजमहल अनुमंडल अस्पताल की उपाधीक्षक उदय टुडू की अध्यक्षता में मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजमहल प्रखंड अंतर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, सहिया साथी तथा विभाग के सभी पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। वही बैठक में स्वास्थ्य विभाग से संचालित सभी कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा एक्जामआईएस प्रतिवेदन के आधार पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सभी कर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि हासिल करें, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें। साथ ही किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सदैव तैयार रहने को कहा गया। वही बैठक में प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अमित कुमार, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मु, वरीय यक्ष्मा पर्यवेक्षक संजय यादव, पीएमडब्ल्यू सुनील कुमार सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू और सहिया साथी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची डिजिटाइजेशन कार्यों का डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने किया निरीक्षण

रांची(बिभा): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजंत्री ने रांची विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सदर अंचल कार्यालय में संचालित



डिजिटाइजेशन कैप का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कैप में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और मतदाता सूची से जुड़े विभिन्न प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य का विस्तृत जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि यह विशेष कैप बृथ लेवल अधिकारियों के पास उपलब्ध विभिन्न प्रपत्रों को तेजी से डिजिटाइज करने के उद्देश्य से लगाया गया है। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि डिजिटाइजेशन का कार्य पूरी गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर संपन्न किया जाए, ताकि मतदाता सूची का अद्यतनीकरण सुचारु रूप से हो सके। उन्होंने कैप के निर्बाध एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत, उप निर्वाचन पदाधिकारी बिबेक कुमार सुमन और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

108 एम्बुलेंस कर्मचारियों का आंदोलन दूसरे दिन भी जारी, 21 अक्तूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

रांची(बिभा) । झारखंड प्रदेश एम्बुलेंस कर्मचारी संघ के आह्वान पर राज्यभर के 108 आपातकालीन एम्बुलेंस कर्मचारियों का चरणबद्ध आंदोलन बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। कर्मचारियों ने काला बिल्ला लगाकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए लंबित मांगों के समर्थन में शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। संघ के प्रदेश महामंत्री सूरज साहू ने बताया कि आंदोलन के तहत नौ अक्टूबर को कैडल मार्च, 12 अक्टूबर को भिक्षाटन और 14 अक्टूबर को धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद 16 अक्टूबर को पूर्ण हड़ताल और महाधरना होगा। उन्होंने कहा कि मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो 21 अक्टूबर से कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए बाध्य होंगे। सूरज साहू ने कहा कि 16 सितंबर को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए 15 से 20 दिनों के भीतर ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था। निर्धारित समय-सीमा बीत जाने के बावजूद मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से कर्मचारियों में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि 108 एम्बुलेंस कर्मचारी गंभीर मरीजों, गर्भवती महिलाओं और सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों तक आपातकालीन चिकित्सा सेवा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद वेतन, रोजगार सुरक्षा और वैधानिक अधिकारों से जुड़े मामलों का समाधान नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। संघ की प्रमुख मांगों में 108 एम्बुलेंस सेवा का सरकारी स्तर पर संचालन, सिविल सर्जन के माध्यम से वेतन भुगतान, सम्मान फाउंडेशन से हटाए गए कर्मचारियों की पुनर्बहाली तथा ईपीएफ, ईएसआई, ओवरटाइम, ग्रेजुटी और न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करना शामिल है।

देशी कट्टा व जिंदा गोली के साथ दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता
राजमहल । राधानगर थाना पुलिस ने बुधवार की देर रात राधानगर चौक के पास मारपीट और गाली-गलौज की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो युवकों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा, 9 एमएम लिखी जिंदा गोली, नकद 3,880 रुपये, दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। जिसकी जानकारी राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिया। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर की रात करीब 2:30 बजे राधानगर थाना को सूचना मिली कि चौक के पास कुछ लोग आपस में गाली-गलौज और मारपीट कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही झगड़ा



कर रहे लोग भागने लगे। इसी दौरान मोटरसाइकिल से भागने का प्रयास कर रहे दो युवकों को पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों की पहचान गौरव यादव (25), पिता राजकुमार यादव और पंकज भगत (25), पिता सुभाष प्रसाद भगत, दोनों निवासी बाकुडी, थाना तीनपहाड़, जिला साहेबगंज के रूप में हुई। वहीं पुलिस ने गौरव यादव की

तलाशी ली तो उसकी कमर के बाएं तरफ खोसा हुआ एक देशी कट्टा बरामद किया। साथ ही उसके पैंट की पिछली जेब से एक जिंदा गोली मिली, जिसके पेंदे पर 9 एमएम के एस लिखा हुआ था। इसके अलावा उसके पास से 3,880 रुपये नकद और एक टूटा हुआ नीले रंग का ईफनिस 5जी मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। वहीं, पंकज भगत के

8 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता
साहेबगंज । राज्य के बाहर से साहेबगंज लाकर गांजा की अवैध आपूर्ति किए जाने की सूचना पर पुलिस ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से करीब 8 किलो गांजा, 45,600 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। कहा पुलिस अधीक्षक को पिछले कुछ दिनों से सूचना मिल रही थी कि राज्य के बाहर से अवैध गांजा की खेप साहेबगंज लाई जाती है और यहां से साहेबगंज, मिजाचौकी, पीपैती एवं बालपुर क्षेत्र में गांजा बेचने वालों तक पहुंचाई जाती है। सूचना के आधार पर एसपी के निर्देश पर विशेष छापामारी दल का गठन किया गया था। वहीं टीम ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक को



गांजा की खेप साहेबगंज पहुंचने की गुप्त सूचना मिली। इसके बाद गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गौरव कौलोली कलिंगा के सामने वाली गली में मोटरसाइकिल से गांजा ले जा रहे मो. फिरोज अख्तर 38 वर्ष, पिता मो. मोफिल, निवासी छोट्टी कोदरजना, थाना मुम्सफिसिल, साहेबगंज को पकड़ लिया। वहीं तलाशी के दौरान सेलेटेप से बंडल बनाए गए आठ बंडल गांजा, जिसका कुल वजन करीब 8 किलोग्राम बताया गया है, बरामद

किया गया। इसके अलावा 45,600 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं छापामारी दल में साहेबगंज सदर के अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू, नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक प्रकाश रंजन सहित पुलिस बल शामिल थे।

किशोरी की सदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

गोड्डा । मेहरगु थाना क्षेत्र के शंकरपुर मंडल टोला में बुवार को 14 वर्षीय किशोरी की सदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। किशोरी अपने घर में बेड पर बेसुध पड़ी मिली। घटना के समय उसका भाई मजिदगी करने गया था, जबकि उसकी मां बहियार में फसल देखने गई थी। दोहर में किशोरी का भाई शिवनंदन कुमार भोजन करने घर लौटा तो उसने अपनी बहन को बेड पर बेसुध पड़ा देखा। हिलाने-डुलाने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर वह वीखने-विलताने लगा। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किशोरी को आनन-फानन में स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां ऑन इट्यूटी चिकित्सक ऋषभ कुमार ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंचे। किशोरी की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। सूचना पर सहायक पुलिस निरीक्षक मनोज कुमार रंजन, रमेश कुमार सहित पुलिस बल अस्पताल पहुंचा और मामले की जांच की। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल भेज दिया। सहायक पुलिस अवर निरीक्षक मनोज कुमार रंजन ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों के संबंध में कुछ स्पष्ट कहा जा सकता है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है।

मिर्जाचौकी स्टेशन पर ट्रेन से 99 लीटर देशी शराब बरामद साहेबगंज-जमालपुर पैसेंजर में लावारिस हालत में मिले दो बोरे, कीमत करीब 29,700 रुपये

बिभा संवाददाता
साहेबगंज । अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत बुधवार को आरपीएफ, सीआईबी मालदा और आरपीएफ पोस्ट साहेबगंज की संयुक्त टीम ने ट्रेन से 99 लीटर देशी शराब बरामद की। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 29,700 रुपये बताई जा रहा था। जानकारी के अनुसार, एसआई रवि शंकर यादव व एचसी स्वपन कुमार घोष, आरपीएफ, सीआईबी मालदा तथा एसआई रवींद्र कुमार तिवारी व अन्य स्टाफ द्वारा ट्रेन संख्या 63431 साहेबगंजझजमालपुर पैसेंजर में साहेबगंज से मिर्जा चौकी के बीच जांच अभियान चलाया जा रहा था। करमटोला स्टेशन से ट्रेन खुलने के बाद कोच संख्या ईआर-218207/सी में शौचालय के



समीप सीट के नीचे दो सदिग्ध लावारिस प्लास्टिक के बोरे मिले। आसपास मौजूद यात्रियों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने भी बोरो पर अपना दावा नहीं किया। ट्रेन के मिर्जा चौकी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर करीब

7:50 बजे पहुंचने के बाद दोनों बोरो को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर जांच की गई। हरे रंग के बोरे से एक-एक लीटर की 55 बोतल देशी शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 55 लीटर और अनुमानित कीमत 16,500 रुपये

10 अक्टूबर को सभी मतदान केन्द्रों पर लगेगा मेगा हेल्प डेस्क कैंप : बीडीओ

बिभा संवाददाता
उधवा । उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में बुधवार को सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ जयंत कुमार तिवारी की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मेगा हेल्प डेस्क कैंप के सफल आयोजन को लेकर वॉलंटियरों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह श्रम अधीक्षक साहेबगंज मोहम्मद महफूज आलम तथा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि आगामी 10 अक्टूबर को सभी मतदान केंद्रों पर मेगा हेल्प डेस्क कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप में वॉलंटियर,बीएलओ, बीएलओ-2 एवं चुनाव पाठशाला के सदस्य भाग लेंगे। प्रशिक्षण में बताया गया कि 18 वर्ष या इससे अधिक आयु के पात्र लोगों से



प्रपत्र-6 भरवाकर जमा कराया जाएगा। एसआईआर के तहत नोटिस प्राप्त करने वाले लोगों को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही प्रपत्र-8 से संबंधित जानकारी भी लोगों को दी जाएगी। इसके अलावा ऐसे मतदाताओं की सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया, जो अपने माता-पिता के भारत में जन्म स्थान से संबंधित आवश्यक

दस्तावेज प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं है। मौके पर प्रभारी जीपीएस सह बीएलओ सुपरवाइजर संतोष कुमार सुमन, एसआईआर नोडल अब्दुस सलाम, जनगणना कोषांग में प्रतिनियुक्त शिक्षक बाबूधन हेंब्रम, वॉलंटियर मोहम्मद साईम शेख, अनिल प्रमाणिक, ओमप्रकाश आर्य, नव कुमार सिन्हा, मसरूल शेख, जिब्राईल अली, मनोवर हुसैन सहित अन्य मौजूद थे।

नाबालिग के लापता होने के बाद धमकी भरा फोन, युवक पर अपहरण का केस

बिभा संवाददाता
तालझारी । तालझारी थाना क्षेत्र के महाराजपुर इलाके में शादी की नीयत से एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों को कथित रूप से फोन कर थाना में सूचना देने पर घर में आग लगाने की धमकी दिए जाने का भी आरोप है। मामले में नाबालिग की मां के आवेदन पर तालझारी थाना पुलिस ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार, 4 अक्टूबर को महिला अपनी बेटी के साथ कमलैन बगीचा स्थित अपने पिता के घर पर थी। महिला का पति मजदूरी करने गया था। शाम को जब वह घर लौटा तो बेटी घर पर नहीं

मिली। इसके बाद परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां खोजबीन की, लेकिन उसका पता नहीं चला। बताया गया कि कुछ घंटे बाद दीपक नामक व्यक्ति ने मोबाइल फोन पर संपर्क किया और कथित तौर पर बताया कि नाबालिग उसके घर में है। आरोप है कि उसने पुलिस को जानकारी देने पर घर में आग लगाने की धमकी भी दी। इसके बाद परिजनों ने तालझारी थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। वहीं एसआई संजीत मिश्रा ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और नाबालिग की बरामदगी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

महिला से मारपीट मामले में पूर्व पति गिरफ्तार, जेल



का आरोप है कि शादी के बाद से ही देहेज को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाता था। करीब एक वर्ष पूर्व मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया गया। जिसके बाद पति ने उसे तलाक दे दिया। इसके बाद वह अपने तीन बच्चों के साथ मायके में रह रही थी। आरोप है कि मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे पूर्व पति उसके मायके पहुंचा और बच्चों को जबरन अपने साथ ले जाने लगा। विरोध करने पर उसने कथित रूप

से महिला के गले में रस्सी डालकर खींचना शुरू कर दिया। महिला के शोर मचाने पर उसकी मां और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इसी दौरान पूर्व पति ने कथित रूप से ब्लेड से महिला के सिर और बाएं हाथ पर वार कर दिया। जिससे वह घायल होकर गिर गई। घटना के बाद आरोपी मौके से भागने का प्रयास कर रहा था। हालांकि परिजनों और ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। उधर,राधानगर पुलिस ने पीड़िता के बयान पर थाना कांड संख्या 356/26 सुसंगत धाराओं के तहत पूर्व पति सेफाउल शेख के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। फिलहाल राधानगर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

जेप-9 में सर्पदंश जागरूकता कार्यक्रम, समय पर इलाज को बताया जीवनरक्षक



बिभा संवाददाता
साहेबगंज । वन्यजीव सप्ताह 2026 के तहत बुधवार को जेप-9 परिसर में सर्पदंश जागरूकता एवं सर्प संरक्षण विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्पदंश की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों, प्राथमिक स्तर पर किए जाने वाले उपायों और इससे जुड़ी आम भ्रांतियों के बारे में जानकारी दी गई। सर्प मित्र जितेंद्र हजारी ने सर्पदंश की स्थिति में क्या करें और क्या न करें, इसकी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सांपों के संरक्षण तथा मानव-सर्प सहअस्तित्व की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में ऋत्विक् पासवान ने सहयोग किया। वहीं वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग ने सर्पदंश की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए हेमोटॉक्सिन और न्यूरोटॉक्सिन जैसे विषों के प्रभाव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अलग-अलग विषैले सांपों के विष का शरीर पर अलग प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में

सर्पदंश के बाद समय पर चिकित्सकीय उपचार मिलना बेहद जरूरी है। वहीं सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने कहा कि सर्पदंश के पीड़ित को समय पर अस्पताल पहुंचाने पर साहिबगंज सदर अस्पताल में आवश्यक उपचार उपलब्ध है। डीएस (प्रशासनिक प्रभार) डॉ. मुकेश कुमार ने सर्पदंश के उपचार और अस्पताल में अपनाई जाने वाली चिकित्सकीय प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देते हुए डीएसपी अजय केरकेट्टा एवं डीएसपी मनोज झा ने पौधारोपण किया। मंच संचालन नमामि गंगे के जिला परियोजना पदाधिकारी अमित मिश्रा ने किया। मौके पर वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे, वन परिसर पदाधिकारी राणा रंजीत चौधरी, उप वन परिसर पदाधिकारी अंकित झा समेत अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

पिता देशभक्त, बेटा निकला पाकिस्तानी जासूस, गांव-घर से नाता तोड़ पड़ोसी देश के लिए कर रहा था काम



पटना (एजेंसी) पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के गंभीर आरोप में असम से गिरफ्तार अभिषेक कुमार सिंह पूर्वी चंपारण जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र स्थित सेमराहां गांव का निवासी है. असम पुलिस की विशेष कार्यबल ने सतगांव थाना क्षेत्र के गांधीनगर से अभिषेक के साथ बेगूसराय निवासी रितेश सिंह को भी गिरफ्तार किया है. दोनों पर भारत इस करतूत से हर कोई हैरान है. उसके पिता सुरेंद्र सिंह भारतीय सेना में सुबेदार के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं, जबकि उसका बड़ा भाई विवेक सिंह भी सेना में अपनी सेवा दे चुका है और फिलहाल नौकरी छोड़ चुका है. अभिषेक तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर है. उसका सबसे छोटा भाई आदित्य सिंह है. वर्तमान में अभिषेक का परिवार मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर इलाके में निवास करता है. जमीन विवाद के बाद गांव से टूटा नाता स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, अभिषेक काफी लंबे समय से अपने पैतृक गांव सेमराहां नहीं आया था. उसके चचेरे भाई टुनटुन सिंह ने बताया कि लगभग दो वर्ष पूर्व पारिवारिक जमीन विवाद के बाद उसका गांव में आना-जाना पूरी तरह से बंद हो गया था. परिवार ने गांव की खेती योग्य जमीन को बटाई पर दे रखा है. उसकी गिरफ्तारी की खबर मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों को इस घटना की जानकारी पुलिस और मीडिया के माध्यम से ही मिली. पटना से पहुंची अख़्बर की टीम मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पटना से बिहार एटीएस (अख़्बर) की टीम तत्काल राजेपुर के सेमराहां गांव पहुंची. एटीएस ने आरोपी के नजदीकी रिश्तेदारों से पूछताछ कर उसकी हालिया गतिविधियों, बैंकग्राउंड और संधिध नेटवर्क की जानकारी जुटाई. टीम ने यह भी पता लगाया कि अभिषेक आखिरी बार गांव कब आया था और किन-किन लोगों के संपर्क में था. एटीएस और केंद्रीय एजेंसियां अब आरोपी के पूरे नेटवर्क को खंगलने में जुटी हैं पारिवारिक पृष्ठभूमि और वर्तमान निवास जासूसी के आरोप में गिरफ्तार अभिषेक कुमार सिंह का परिवार मूल रूप से पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र स्थित सेमराहां गांव का रहने वाला है. उसके पिता सुरेंद्र सिंह भारतीय सेना में सुबेदार पद से सेवानिवृत्त हुए हैं और बड़ा भाई भी सेना में सेवा दे चुका है. सैन्य पृष्ठभूमि वाले इस परिवार ने सुरेंद्र सिंह के सेना से रिटायर होने के बाद मुजफ्फरपुर के अहियापुर इलाके में जमीन खरीदकर अपना मकान बनवा लिया था. वर्तमान में पूरा परिवार मुजफ्फरपुर में ही निवास करता है. दो वर्ष पूर्व हुए पारिवारिक जमीन विवाद के बाद से अभिषेक का अपने पैतृक गांव आना-जाना बंद हो गया था.

बिहार के लोगों के खाते में 12 अक्टूबर को आएंगे पैसे, सम्राट सरकार देगी अनुग्रह राशि, जानें किसे मिलेगा लाभ

पटना (एजेंसी) बिहार के लोगों के लिए राहत की खबर है. 12 अक्टूबर को कई परिवारों के खाते में अनुग्रह राशि भेजी जाएगी. सरकार ने इसके लिए तैयारी तेज कर दी है. जानिए किन लोगों को इस राशि का लाभ मिलेगा. बिहार में बाढ़ का पानी उतरने के बाद सरकार ने राहत और पुनर्वास का काम तेज कर दिया है. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को नुकसान का आकलन जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है. उन्होंने प्रभावित इलाकों में राहत पहुंचाने पर भी जोर दिया. साथ ही क्षतिग्रस्त सड़कों, तटबंधों और दूसरी सरकारी संपत्तियों की मरम्मत का खर्च भी जल्द तय करने को कहा है. पटना के हंसकल्पलक्ष सभागार में हुई बैठक में बिहार बाढ़ 2026 की स्थिति की समीक्षा की गई. बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहे.



मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता मिलनी चाहिए. दूसरे चरण की बाढ़ से प्रभावित परिवारों को 12 अक्टूबर 2026 को अनुग्रह राहत राशि दी जाएगी. 12 अक्टूबर को मिलेगी बाढ़ राहत की राशि बाढ़ के दूसरे चरण से प्रभावित परिवारों को

12 अक्टूबर को अनुग्रह सहायता दी जाएगी. अधिकारियों को पात्र परिवारों की पहचान और भुगतान की प्रक्रिया समय पर पूरी करने का निर्देश दिया गया है. सरकार पहले ही बाढ़ प्रभावित परिवारों को प्रति परिवार 7 हजार रुपये की सहायता दे चुकी है. 15 सितंबर को 8 लाख 27

हजार 472 परिवारों के बैंक खातों में ऋण के जरिए 579.23 करोड़ रुपये भेजे गए थे. अब दूसरे चरण से प्रभावित परिवारों को राहत राशि देने की तैयारी है. सरकार का फोकस प्रभावित परिवारों तक सीधे सहायता पहुंचाने पर है. दो चरणों में आई बिहार में बाढ़ बैठक में जल

संसाधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने बाढ़ की स्थिति की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इस साल बिहार में बाढ़ दो चरणों में आई. पहले चरण में गंगा, सोन, घाघरा, कोसी और पुनपुन नदियों में जलस्तर बढ़ा. कई जगहों पर पानी पुराने रिकॉर्ड से भी ऊपर पहुंच गया. दूसरे चरण में भारी बारिश का असर दिखा. गंडक नदी में चार जगहों पर रिकॉर्ड जलस्तर दर्ज किया गया. पश्चिम चंपारण, गोपालगंज और सारण में छह जगहों पर तटबंध भी क्षतिग्रस्त हुए. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें गंगा, गंडक और सोन में ज्यादा पानी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि इस साल गंगा, गंडक और सोन नदियों में पिछले वर्षों की तुलना में ज्यादा पानी आया. इससे बाढ़ की स्थिति गंभीर हुई. उन्होंने नदियों में जमा गाद यानी सिल्ट को भी बाढ़

की प्रमुख वजहों में बताया. मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार देश का पहला राज्य है, जिसने गाद नीति बनाई है. उन्होंने अधिकारियों को नदियों की स्थिति पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया. बाढ़ से हुए नुकसान की भी लगातार निगरानी करने को कहा गया है. नुकसान की रिपोर्ट जल्द तैयार करने का निर्देश मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों को नुकसान का विस्तृत आकलन करने को कहा है. विभागों को यह भी बताना होगा कि क्षतिग्रस्त चीजों की मरम्मत में कितना खर्च आएगा. राहत के साथ अब पुनर्वास पर भी सरकार का फोकस है. प्रभावित इलाकों में जरूरी काम तेजी से पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं. सरकार की कोशिश है कि बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई और प्रभावित परिवारों तक सहायता का काम जल्द आगे बढ़े.

सीतामढ़ी में 3 बदमाशों का एनकाउंटर, दिनेश यादव हत्याकांड के आरोपियों को पुलिस ने दौड़ाकर मारी गोली

पटना (एजेंसी) सीतामढ़ी में पुलिस ने दिनेश यादव हत्याकांड के 3 फरार आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान पकड़ा. गोली लगने से घायल आरोपियों से हथियार बरामद हुए. सीतामढ़ी. दिनेश यादव हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपितों की तलाश के दौरान मंगलवार देर रात रीगा थाना क्षेत्र में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गयी. पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तीन अपराधी गोली लगने से घायल हो गये. पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है.ठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल से तीन सेमी-ऑटोमेटिक पिस्टल और एक पिट्टू बैग बरामद किया है. पुलिस के अनुसार, बैग में बड़ी संख्या में कारतूस भी मिले हैं. गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर हत्याकांड से जुड़े अन्य लोगों और आपराधिक नेटवर्क की जानकारी जुटायी जा रही है. घटनास्थल पर पुलिसकर्मों और सदर अस्पताल में एसपी अमित रंजन व अन्य घटनास्थल पर पुलिसकर्मों और सदर अस्पताल में एसपी अमित रंजन व अन्य दिनेश यादव हत्याकांड के आरोपितों की तलाश में शुरू हुई थी गश्त



पुलिस के अनुसार, छह-सात अक्टूबर की रात करीब 11 बजे जिला आसूचना इकाई (डीआईयू) को सूचना मिली कि दिनेश यादव हत्याकांड का आरोपी सुनील कुशवाहा अपने साथियों के साथ रीगा-परसौनी थाना क्षेत्र में घूम रहा है. सूचना मिलते ही आसपास के थानों को हाई अलर्ट कर दिया गया. इसके बाद रीगा थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी, डीआईयू टीम और

हत्याकांड की जांच के लिए गठित एसआईटी ने रीगा-परसौनी मार्ग पर सघन गश्त शुरू की. रेवासी-भगवानपुर बॉर्डर के पास दिखे तीन संधिध गश्ती के दौरान रेवासी-भगवानपुर बॉर्डर के समीप पुलिस टीम को एक बाइक पर तीन संधिध युवक दिखाई दिये. पुलिस के अनुसार, टीम को देखते ही तीनों ने भागने का प्रयास किया. इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गयी. इसके बाद पुलिस और संधिधों के बीच फायरिंग शुरू होने की बात सामने आयी. पुलिस की जवाबी फायरिंग में तीन अपराधी घायल पुलिस के अनुसार, बाइक गिरने के बाद तीनों अपराधियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी. जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की. पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तीनों अपराधी गोली लगने से घायल हो गये. इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर ही तीनों को पकड़ लिया और इलाज के लिए अस्पताल भेजा. तीन सेमी-ऑटोमेटिक पिस्टल और कारतूस बरामद मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल की तलाशी ली. इस दौरान तीन सेमी-ऑटोमेटिक पिस्टल और एक पिट्टू बैग बरामद

किया गया. पुलिस के अनुसार, पिट्टू बैग में बड़ी संख्या में कारतूस भी बरामद हुए हैं. बरामद हथियार और कारतूस को जांच में शामिल किया गया है. तीनों गिरफ्तार आरोपितों की हुई पहचान पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रीगा थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी सुनील कुशवाहा, बेलसंड थाना क्षेत्र के मणि कुमार और गाढ़ा थाना क्षेत्र निवासी इंदल कुमार के रूप में हुई है. पुलिस का कहना है कि तीनों का लूट, हत्या समेत कई गंभीर आपराधिक मामलों में आपराधिक इतिहास रहा है. हत्याकांड और आपराधिक नेटवर्क की जांच जारी गिरफ्तार तीनों आरोपितों से पुलिस पूछताछ कर रही है. जांच टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दिनेश यादव हत्याकांड में इनकी क्या भूमिका थी और इनके साथ कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं. इसके अलावा पुलिस हथियारों की सुपडायें, आपराधिक नेटवर्क और वायदावातों से इनके संभावित संबंधों की भी जानकारी जुटा रही है. पूछताछ और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

बिस्तर पर लेटे-लेटे तिलक, कैमरा देखते ही मंगाया काला चश्मा, अनंत सिंह के नए स्वैग का वीडियो वायरल

पटना (एजेंसी) जेडीयू विधायक अनंत सिंह एक बार फिर अपने अलग अंदाज को लेकर चर्चा में हैं. उनका एक वीडियो सामने आया है. इसमें वह बिस्तर पर लेटे-लेटे पॉइंट जी से तिलक लगवाते दिख रहे हैं. कैमरे पर नजर पड़ते ही उनका अंदाज फिर बदल जाता है. बिहार के जेडीयू विधायक अनंत सिंह एक बार फिर अपने अलग अंदाज को लेकर चर्चा में हैं. उनका एक वीडियो सामने आया है. इसमें उनका खास स्वैग देखने को मिल रहा है. अनंत सिंह बिस्तर पर लेटे-लेटे ही पॉइंट जी से माथे पर तिलक लगवाते नजर आ रहे हैं. वीडियो में तिलक लगवाने के बाद जैसे ही उनकी नजर कैमरे पर पड़ती है, वह तुरंत बेड से उठकर खड़े हो जाते हैं. इसके बाद पॉइंट जी उन्हें फूलों की माला पहनाते हैं. तभी उनके सहयोगी गमछा और काला चश्मा लेकर



पहुंचते हैं. चश्मा लगाते ही अनंत सिंह अपने अंदाज में पोज देने लगते हैं. लेटे-लेटे तिलक लगवाते दिखे अनंत सिंह वीडियो में अनंत सिंह बेड के बल बिस्तर पर लेटे नजर आ रहे हैं. उनके दोनों पैर ऊपर की तरफ हैं. सामने एक छोटी टेबल पर फूलों की माला और कुछ सामान रखा है. वहीं, बेड के पास मौजूद सोफे पर पॉइंट जी बैठे हैं. अनंत सिंह इसी हालत में लेटे-लेटे माथे पर

तिलक लगवाते हैं. इसके बाद पॉइंट जी माला लेकर खड़े होते हैं. कैमरे पर नजर पड़ते ही अनंत सिंह भी तुरंत बेड से उठ जाते हैं. वह अपना लिबास ठीक करते हैं. गमछा के बाद आया फेबरेट काला चश्मा सके बाद दो सहयोगी सफेद गमछा लेकर पहुंचते हैं. इसी बीच एक सहयोगी रैक पर रखा काला चश्मा लेकर आता है. अनंत सिंह चश्मा पहनते हैं. इसके बाद वह कैमरे के सामने

अपने खास अंदाज में पोज देते हैं. वीडियो में उनका यह अंदाज लोगों का ध्यान खींच रहा है. धार्मिक अनुष्ठान के बीच कैमरे के सामने उनका अचानक पोज देना भी चर्चा का हिस्सा बन गया है. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें तिलक से ज्यादा कैमरे पर नजर ने खींचा ध्यान आमतौर पर पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान के दौरान लोग बैठकर तिलक लगवाते हैं. लेकिन इस वीडियो में अनंत सिंह बिस्तर पर लेटे हुए नजर आ रहे हैं. यही अंदाज वीडियो को अलग बना रहा है. वीडियो सामने आने के बाद लोग इस पर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं. कुछ लोग इसे अनंत सिंह का खास स्वैग बता रहे हैं. वहीं, कुछ लोग लेटे-लेटे तिलक लगवाने के अंदाज पर मजेदार कमेंट कर रहे हैं. अपने अंदाज के लिए चर्चा में रहते हैं अनंत सिंह यह

पहली बार नहीं है जब अनंत सिंह अपने अंदाज को लेकर चर्चा में आए हैं. उनका पहनावा, ठेठ बिहारी बोलने का अंदाज और काला चश्मा अक्सर लोगों का ध्यान खींचता है. सोशल मीडिया पर उनके कई वीडियो पहले भी चर्चा में रहे हैं. इस बार भी धार्मिक अनुष्ठान का यह वीडियो उनके अलग अंदाज की वजह से चर्चा में है. पटना स्नातक चुनाव को लेकर भी चर्चा में अनंत सिंह इन दिनों पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर भी सुर्खियों में हैं. वह जेडीयू के विधायक हैं. इस चुनाव में उनकी सक्रियता लगातार चर्चा में है. खास बात यह है कि अनंत सिंह अपनी ही पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी नीरज कुमार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं. इस वजह से पटना स्नातक चुनाव में उनकी भूमिका पर भी सियासी नजरें टिकी हैं.

घर में घुसा 20 फीट का अजगर, वन विभाग ने कैसे पकड़ा

पटना (एजेंसी) औरंगाबाद के बंगरे गांव में घर में विशालकाय अजगर घुसने से दहशत फैल गई. वन विभाग ने अजगर को सुरक्षित बचाया और जंगल में छोड़ा. मंगलवार की रात दक्षिणी उमगा पंचायत के बंगरे गांव में उस समय अफरातफरी मच गयी, जब एक घर के कमरे में विशालकाय अजगर दिखाई दिया. अजगर को देखते ही घर के लोगों में दहशत फैल गयी और उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया. आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर जुट गये. सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने पहुंचकर अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया. खाना खाने के बाद कमरे में दिखा अजगर जानकारी के अनुसार बंगरे गांव निवासी अजय विश्वकर्मा के परिवार के लोग मंगलवार की रात



करीब आठ बजे खाना खाने के बाद सोने की तैयारी कर रहे थे. इसी दौरान हल्की बारिश भी हो रही थी. अचानक घर के एक कमरे में लोगों की नजर विशालकाय अजगर पर पड़ी. अजगर को देखते ही परिवार के सदस्य घबरा गये और शोर मचाने लगे. अजगर निकलने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ घर के पास जुट गयी. इसके बाद मदनपुर वन विभाग के

कार्यालय को इसकी जानकारी दी गयी. सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची. टीम ने सबसे पहले घर में मौजूद लोगों को सुरक्षित स्थान पर हटाया. कड़ मशकत के बाद अजगर का रेस्क्यू वन विभाग के कर्मियों ने काफी मशकत के बाद अजगर को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर लिया. इस दौरान घर और आसपास मौजूद लोगों की नजर पूरी कार्रवाई पर बनी रही. अजगर के पकड़े जाने के बाद परिवार और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली. जंगल में छोड़ा जायेगा अजगर वन विभाग के कर्मियों ने बताया कि अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है. इसे गांव और आबादी वाले क्षेत्र से दूर जंगल में छोड़ दिया जायेगा. वहीं, घर में अचानक विशालकाय अजगर

पटना (एजेंसी) फरक्का जल संधि का बिहार पर असर. खउब के 'नीतीश संवाद' में जाने संधि की समाप्ति और बिहार की जल जरूरतों पर होने वाली चर्चा. फरक्का जल संधि को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की ओर से चलाया जा रहे छनीतीश संवाद कार्यक्रम का जानकारी कार्यक्रम को लेकर हाजीपुर के दिग्भी स्थित जदयू पार्टी कार्यालय के कपूर्नी सभागार में प्रदेश प्रवक्ता नवल शर्मा



ने प्रेस वार्ता की. उन्होंने बताया कि फरक्का जल संधि और इससे बिहार पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर आम लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है. संजय झा और उमेश कुशवाहा समेत ये नेता होंगे शामिल नवल शर्मा के अनुसार हिलालपुर

में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद संजय कुमार झा, प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक उमेश सिंह कुशवाहा और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे. कार्यक्रम के दौरान फरक्का जल संधि से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर लोगों से संवाद

किया जाएगा. जदयू नेताओं का कहना है कि फरक्का बैराज के कारण गंगा नदी में गाद जमा होने और नदी तल के ऊंचा होने से मानसून के दौरान उत्तर बिहार में बाढ़ की समस्या बढ़ती है. वहीं गर्मी के मौसम में कई क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति उत्पन्न होती है. पार्टी इसी मुद्दे को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए संवाद कार्यक्रम आयोजित कर रही है. दिसंबर 2026 में खत्म हो रही 30 साल की संधि भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा जल के बंटवारे को लेकर 12 दिसंबर 1996 को 30 वर्ष की संधि हुई थी. इसकी अवधि दिसंबर 2026 में समाप्त हो रही है. जदयू का कहना है कि संधि की अवधि समाप्त होने के बाद इसके मौजूदा स्वरूप को आगे नहीं बढ़ाया जाना

चाहिए. बिहार के हित और भविष्य की जल जरूरतों पर जोर जदयू की मांग है कि गंगा जल से जुड़े किसी भी भविष्य के निर्णय में बिहार के हितों और आने वाले समय की जल जरूरतों को प्राथमिकता दी जाए. पार्टी का कहना है कि बिहार में बाढ़ और जल संकट की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर व्यापक चर्चा और संवाद जरूरी है. प्रेस वार्ता में पार्टी के कई नेता रहे मौजूद प्रेस वार्ता के दौरान जदयू के वरिष्ठ नेता एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य जगनारायण सिंह यादव, जिलाध्यक्ष सुभाष चंद्र सिंह, जिला प्रवक्ता शक्ति किशोर, मीडिया प्रभारी नीरज कुमार और कार्यालय प्रभारी अमरनाथ चौधरी मौजूद रहे.

विश्व निवेशक सप्ताह शुरू, अपने भविष्य में निवेश करें, आज ही इसे सुरक्षित करें

अभिरामान निवेश समझाकर और सुरक्षित तरीके से करने का दे रहा संदेश

नई दिल्ली ।

निवेशकों को बाजार और निवेश से जुड़े फैसले समझदारी से लेने के लिए जागरूक करने वाला विश्व निवेशक सप्ताह 5 से 11 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ़ सिक्योरिटीज कमीशंस (आईओएसको) की पहल पर शुरू हुआ यह अभियान सेबी और एएमएफआई के नेतृत्व में चल रहा है। इस साल अभियान का संदेश अपने भविष्य में निवेश करें। आज ही इसे सुरक्षित करें है, जिसका उद्देश्य निवेशकों को जागरूकता और भरोसे के साथ निवेश करने में मदद करना है। म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए यह पहल खास है, क्योंकि किसी फंड में निवेश से पहले उसके उद्देश्य, जोखिम, लागत और रणनीति को समझना जरूरी है। बाजार के उतार-चढ़ाव में सिर्फ पिछले रिटर्न देखकर फैसला लेने के बजाय निवेशक को यह देखना चाहिए कि योजना उसके वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। इस साल विश्व निवेशक सप्ताह के प्रमुख विषयों में निवेशक लचीलापन, डिजिटल धोखाधड़ी और ठगी से बचाव शामिल हैं। इसके अलावा, निवेश की बुनियादी बातों और युवा निवेशकों पर भी जोर दिया जा रहा है। सेबी अपनी वेबसाइट पर फर्जी ट्रेडिंग ऐप और स्टॉक मार्केट गुरु के नाम पर होने वाले स्कैम जैसी धोखाधड़ी से बचने की चेतावनी दे रहा है और निवेशकों को केवल सेबी की गिरानी वाले उत्पादों को चुनने की सलाह देता है। समझ से इन्वेस्टिंग सिंपल पहल के तहत युवाओं को समझने के बाद निवेश करने, विनियमित उत्पाद चुनने, जल्दी शुरुआत करने और निवेश को बनाए रखने की सलाह दी जा रही है। यह अभियान सिर्फ निवेश शुरू करने का नहीं, बल्कि उसे समझकर और सुरक्षित तरीके से करने का संदेश दे रहा है।

रेपो रेट बढ़ने से ईएमआई होगी महंगी, एफडी कराने वालों को होगा फायदा

जमाकर्ताओं को बचत पर ब्याज दरे पहले के मुकाबले बढ़कर मिलेगी

नई दिल्ली ।

अक्टूबर 2026 की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में आरबीआई ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की है। 5 अक्टूबर से शुरू होकर 7 अक्टूबर 2026 तक चली इस बैठक में पश्चिम एशिया में तनाव से महंगाई के जोखिम, कच्चे तेल और खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतें और वैश्विक आर्थिक दबाव जैसे फैक्टर्स पर फोकस रहा। आरबीआई ने इससे पहले फरवरी 2023 में रेपो रेट में बढ़ाई थी। इस दौरान रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को 25 बेसिस पॉइंट (0.25फीसदी) बढ़ाकर 6.50फीसदी के स्तर पर ला दिया था। इसके बाद से दिसंबर 2024 तक रेपो रेट को इसी उच्चतम स्तर पर स्थिर रखा गया था। 2025 में हालात थोड़े सुधरने पर केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में कुल चार बार 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की, जिससे यह घटकूर 5.25फीसदी पर आ गया। दिसंबर 2025 के बाद से अब तक यानी करीब 10 महीनों तक रेपो रेट को इसी स्तर पर रखने के बाद अब रिजर्व बैंक ने इसमें बढ़ोतरी की है। रेपो रेट बढ़ने से बैंक लोन महगे हो जाते हैं क्योंकि रेपो रेट बढ रेट होता है, जिस पर आरबीआई दूसरे बैंकों को कर्ज देता है। अब बैंकों के लिए रिजर्व बैंक से लोन लेना महंगा होगा, तो उनके लिए फंड की लागत बढ़ जाएगी। इसके चलते बैंक होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें बढ़ा देंगे। ब्याज दरें बढ़ेंगी, तो ईएमआई पर पहले के मुकाबले ज्यादा खर्च होगा। भले ही रेपो रेट बढ़ने से आपको हर महीने जाने वाली ईएमआई महंगी हो जाएगी, लेकिन इसके कुछ फायदे भी हैं। दरअसल, रेपो रेट बढ़ने से बैंकों में एफडी कराने वाले शाहकों को फायदा होगा। इससे जमाकर्ताओं को अपनी बचत पर ब्याज दरें पहले के मुकाबले बढ़कर मिलेंगी।

आईपीओ में 46,712 करोड़ रुपये का निवेश

-39 फ़ीसदी राशि कर्ज चुकाने में खर्च हो रही

मुंबई ।

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए कंपनियां जुटाई गई रकम का बड़ा हिस्सा कर्ज चुकाने में खर्च कर रही हैं। वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में कंपनियों ने नए शेयर जारी कर 46,712 करोड़ रुपये जुटाए। इसमें से करीब 18,068 करोड़ रुपये यानी 39 फीसदी राशि कर्ज चुकाने के लिए खर्ची गई। पिछले साल इसी अवधि में यह हिस्सा 32 फीसदी था। आंकड़ों के मुताबिक, क्षमता बढ़ाने, नए प्रोजेक्ट और मशीनरी पर खर्च होने वाली राशि 8,857 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,418 करोड़ रुपये हो गई। वहीं, अधिग्रहण और रणनीतिक निवेश पर खर्च 534 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,436 करोड़ रुपये पहुंच गया। दूसरी ओर, पूंजी मजबूत करने और बैंकिंग लागत में भी बदलाव देखने को मिला। रोजमर्रा के खर्च के लिए रखी गई रकम 7,534 करोड़ रुपये से घटकर 4,521 करोड़ रुपये रह गई। ब्रांड और विज्ञापन पर खर्च भी 471 करोड़ से घटकर 341 करोड़ रुपये हो गया।

बैंक एसडी पर मिलने वाले ब्याज को अपनी मर्जी से कम नहीं कर सकता

हार्ड कोर्ट ने कल- बैंक के पास ब्याज कम करने का वैध कारण होना जरूरी

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को लेकर एक फैसला सुनाया है, जिसके तहत अगर किसी एफडी को कोर्ट के आदेश पर बनाया गया है, तो बैंक उस पर मिलने वाले ब्याज को अपनी मर्जी से कम नहीं कर सकता।

कोर्ट ने कहा कि बैंक के पास ब्याज कम करने के लिए कोई वैध कारण होना जरूरी है। यह मामला

हीरो एक्सपोज़र्स और टिफिन्स बैरीटर्स, एस्बेस्टोस एंड पेंट्स लिमिटेड के बीच चल रहे विवाद से जुड़ा था, जिसमें कोर्ट के आदेश पर 5.89 करोड़ रुपए की एफडी नैटवेस्ट मार्केट्स पीएलसी में बनाई गई थी।

शुरुआत में इस एफडी पर 7.75फीसदी से 8.25फीसदी तक ब्याज मिलता रहा, लेकिन 30 जनवरी 2018 से बैंक ने ब्याज दर घटाकर 3.5फीसदी कर दी। हीरो एक्सपोज़र्स ने इस कटौती का विरोध किया और मामला कोर्ट

पहुंच गया। मई 2019 में, हाईकोर्ट के एक सिंगल जज ने बैंक को पूरी रकम हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा करने और 30 जनवरी 2018 से मिलने वाले ब्याज की गणना पिछले तीन साल में लागू रही औसत ब्याज दर के आधार पर करने का आदेश दिया।

नैटवेस्ट मार्केट्स पीएलसी ने इस फैसले को चुनौती दी और तर्क दिया कि आरबीआई नियमों के तहत कर्मशियल बैंकों को घरेलू टर्म डिपॉजिट की ब्याज दर तय

करने की आजादी है। बैंक ने यह भी कहा कि एफडी की अवधि पूरी होने और उसे दोबारा न बढ़ाने पर उस रकम पर सेविंग अकाउंट की ब्याज दर मिल सकती है। हालांकि, जस्टिस अवनीश खिंन और जस्टिस शैल जैन की बेंच ने बैंक की इन दलीलों को नहीं माना और नैटवेस्ट की अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने बैंक को 5.89 करोड़ रुपए की एफडी पर ज्यादा ब्याज देने का निर्देश दिया, जिससे बैंकों की मनमानी पर लगाम लग लगी।

बेहतर महीना रहा। हालांकि, सालाना वृद्धि को सितंबर 2025 के कम आधार के संदर्भ में देखना चाहिए। बीते साल जीएसटी 2.0 लागू होने से पहले शाहकों ने खरीदारी टाल दी थी, जिससे बिन्नी प्रभावित हुई थी। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में कुल ऑटो रिटेल बिन्नी

1,55,12,319 इकाई रही, जो पिछले साल की समान अवधि से 20.77 प्रतिशत अधिक है। श्रेणीवार आंकड़ों में दोपहिया वाहनों की बिन्नी 33.08 प्रतिशत बढ़कर 17,90,188 इकाई रही। यात्री वाहनों की बिन्नी 32.10 प्रतिशत बढ़कर 4,27,213 इकाई पहुंच गई।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 429 अंक, निफ्टी भी 173 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इस गिरावट का एक बड़ा कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो दर में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी करना भी रहा। इससे निवेशकों पर विपरीत प्रभाव पड़ा जिससे बाजार में बिकवाली शुरू हो गयी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 429.11 अंक टूटकर 72,638.70 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयों वाला एनएसई निफ्टी भी 173.05 अंक फिसलकर 22,603.05 पर बंद

हुआ। आज बाजार में बिकवाली के कारण तकरीबन 2251 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1928 शेयरों में बहुत आई। वहीं 192 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। आज निफ्टी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज करने वाले शेयरों में टाइटन कंपनी, अडानी एंटरप्राइजेज, हिंडालको इंडस्ट्रीज, जेएच डब्ल्यू स्टील और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख थे, जिन्होंने निवेशकों को निराश किया। वहीं, कुछे शेयर ऐसे भी थे जिन्होंने इस माहौल में भी अपनी बहुत बनाए रखी, जिनमें कोटक महिंद्रा बैंक, बीएसई लिमिटेड, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और कोल इंडिया शामिल थे। वहीं सेक्टरों की बात करें तो, मीडिया और पीएसयू बैंक को छोड़कर लगभग सभी



प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स, के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी, वाहन, धातु और रियल्टी सेक्टरों में 1-2 फीसदी की भारी गिरावट रही, जो दिखाती है कि व्यापक आर्थिक चिंताओं से सभी प्रभावित हुए हैं। आज बाजार गिरावट का सबसे अहम कारण आरबीआई

द्वारा रेपो दर में 25 बेसिस अंकों की बढ़ोतरी रही। जिससे यह दर फरवरी 2023 के बाद पहली बार बढ़ी है।

यह बढ़ोतरी तब हुई है जब बाजार विश्लेषक और निवेशक दोनों मुद्रास्फीति के दबावों पर केंद्रीय बैंक की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे थे।

सोने पर फिलहाल दबाव, 2027 में लौटेगी रौनक-एचएसबीसी

नई दिल्ली ।

वैश्विक वित्तीय सेवा प्रदाता एचएसबीसी का मानना है कि सोने की कीमतों पर फिलहाल दबाव बना रहेगा, लेकिन 2027 तक इसमें फिर तेजी लौट सकती है। हालांकि, यह चमक तुरंत दिखने की उम्मीद नहीं है। इस साल 2026 में सोने ने 5,450 डालर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छूने के बाद 3,942 डालर प्रति औंस तक की गिरावट देखी, जो बाजार में बढ़ी अस्थिरता को दिखाती है।

मामले से जुड़े जानकार के अनुसार, ऊंचे कच्चे तेल के दाम, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका ने सोने के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। इन चुनौतियों के चलते बैंक ने अपने शॉर्ट टर्म

गोल्ड प्राइस अनुमान में कटौती की है। जानकार बताते हैं कि 2027 में सोने की चाल काफी हद तक अमेरिकी ब्याज दरों पर निर्भर करेगी, यदि अमेरिकी फेडरल रिजर्व बाजार की मौजूदा उम्मीद से कम दरें बढ़ाता है, तब सोने को फिर से मजबूती मिल सकती है। सोने की कीमतों को केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद से बढ़ा सहारा मिल रहा है, जो अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य निवेश में विविधता लाना और भू-राजनीतिक जोखिमों से बचाव करना है। इसके अतिरिक्त, भारत और चीन जैसे बड़े बाजारों में वित्तीय संस्थानों के लिए सोना खरीदने के नियमों में हुए बदलाव भी बढ़ी मांग को बढ़ावा दे रहे हैं, खासकर उस समय में जब प्रॉपर्टी और शेयर बाजार कमजोर चल रहे



हैं। यह अनुमान लगा रहा है कि ऊंची कीमतों और घरेलू बजट पर दबाव के कारण प्रभावित हुई सोने की फिजिकल डिमांड अब अपने निचले स्तर के करीब पहुंच सकती है। हालांकि, सोने की सप्लाय में तेजी से बढ़ोतरी की संभावना कम है। 2026 और 2027 में खदान उत्पादन बढ़ सकता है, लेकिन नई खदानों और परियोजनाओं को शुरू करने में

आने वाली चुनौतियों के कारण यह वृद्धि सीमित रहने की उम्मीद है। ऊंची कीमतों के बावजूद, रिसाइक्लिंग भी अभी उतनी तेजी से नहीं बढ़ी है जितनी उम्मीद की जा रही थी। आने वाले महीनों में डॉलर, कच्चे तेल की कीमतें और अमेरिकी ब्याज दरें सोने के लिए प्रमुख चुनौतियां बनी रह सकती हैं, जो इसकी चाल को प्रभावित करती रहेंगी।

नई स्कोडा स्लेविया जो कहे सब कुछ- स्टाइल, दमदार खूबियों और आत्मविश्वास के साथ

जमशेदपुर: स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई स्लेविया की कीमतों की घोषणा कर दी है

और इसकी डिलीवरी अगले सप्ताह से शुरू

हो जाएगी। सेडान जो कहे सब कुछ वाली

नई स्लेविया में और भी निखरा हुआ यूरोपीय



डिजाइन, दमदार और रोमांचक प्रदर्शन, स्मार्ट तकनीक, बेहतर आराम और भरोसेमंद सुखा, सब कुछ एक शानदार पैकेज में मिलता है। भारत के लिए विशेष रूप से तैयार एमक्यूबी-Q0-आईएन प्लेटफॉर्म पर निर्मित यह कार लॉन्च के समय छह वेरिएंट- क्लासिक, क्लासिक+, सिग्नेचर, स्पोर्टलाइन, प्रेस्टीज और मोन्टे कार्लों में उपलब्ध होगी। 1.0 टीएसआई इंजन के साथ छह-स्पीड मैनुअल या बिल्कुल नया आठ-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स मिलता है, जबकि 1.5 टीएसआई इंजन को सात-स्पीड डीएसजी गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने कहा, 'हस्लेविया ने हमेशा से ही उन खूबियों को एक साथ पेश किया है, जिन्हें ग्राहक एक सेडान में सबसे अधिक महत्व देते हैं'- सदबहार डिजाइन, शानदार ड्राइविंग अनुभव, आराम, सुखा और बेहतररीन इंजीनियरिंग। यह वाकई जो कहे सबकुछ है, क्योंकि यह बिना किसी समझौते के सेडान का एक संपूर्ण अनुभव देती है- आकांक्षाओं को पूरा करने वाली, फिर भी सहज रूप से सुलभ; ड्राइव करने में आनंददायक, फिर भी आरामदायक; और ग्राहकों की नई पीढ़ी की जरूरतों के अनुरूप।

विनिर्माण क्षेत्र में दूसरी तिमाही में सुधार- फिक्की सर्वेक्षण

नई दिल्ली ।

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र ने जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है, जिसमें कंपनियों के उत्पादन और क्षमता उपयोग में बढ़ोतरी देखी गई है।

उद्योग मंडल फिक्की द्वारा मंगलवार को जारी एक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है। सर्वेक्षण में लगभग 225 कंपनियों को शामिल किया गया, जिसमें वाहन, पूंजीगत उत्पाद, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, धातु और वस्त्र जैसे नौ प्रमुख क्षेत्र शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 प्रतिशत विनिर्माताओं ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उत्पादन का स्तर पिछली तिमाही (अप्रैल-जून) के मुकाबले अधिक या समान रहने की जानकारी दी है, जो पहली तिमाही के 77 प्रतिशत से काफी बेहतर है। फिक्की ने कहा कि यह सुधार पश्चिम एशिया संकट से उबरने के संकेतों के बीच आया है। मांग के मोर्चे पर भी सकारात्मक रुख दिखा, जहां 90 प्रतिशत कंपनियों ने ऑर्डर का स्तर अधिक या समान बताया, जबकि पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 77 प्रतिशत था। विनिर्माण क्षेत्र में औसत क्षमता

उपयोग भी पहली तिमाही के 72 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 75 प्रतिशत हो गया है। निर्यात के मोर्चे पर भी सुधार देखने को मिला, जहां लगभग 80 प्रतिशत कंपनियों ने पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले निर्यात का स्तर अधिक या समान रहने की जानकारी दी, जो पहली तिमाही के 74 प्रतिशत से अधिक है।

फिक्की ने इसे सरकार और उद्योग के निर्यात विविधीकरण प्रयासों का सकारात्मक परिणाम बताया। योजनाएं के मोर्चे पर भी आशाजनक संकेत मिले हैं, जिसमें करीब 43 प्रतिशत कंपनियों ने अगले तीन महीनों में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की योजना बनाई है, जो पिछली तिमाही के 35 प्रतिशत से अधिक है।

हालांकि, विनिर्माताओं पर उत्पादन लागत का दबाव बढ़ा है, जिसमें लगभग 83 प्रतिशत कंपनियों ने बिन्नी के प्रतिशत के रूप में उत्पादन लागत बढ़ने की जानकारी दी, जबकि जून तिमाही में यह अनुपात 79 प्रतिशत था। दूसरी तिमाही में विनिर्माताओं द्वारा चुकाई गई औसत ब्याज दर 8.9 प्रतिशत से बढ़कर 9.1 प्रतिशत हो गई।

इलेक्ट्रिक बाइक रजिस्ट्रेशन में नंबर-1 बनी ओबेन इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली ।

सितंबर 2026 में बेंगलुरु स्थित ओबेन इलेक्ट्रिक कंपनी ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों के रजिस्ट्रेशन के मामले में सभी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए कंपनी ने पहला स्थान हासिल किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ओबेन ने पिछले महीने कुल 1,417 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों का पंजीकरण दर्ज किया, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता और बाजार में मजबूत पकड़ का प्रमाण है। ओबेन इलेक्ट्रिक के लिए यह रिकॉर्ड बिन्नी उसकी नई रॉर ईवो ईवी बाइक की शानदार प्रतिक्रिया का परिणाम है। आकर्षक डिजाइन, दमदार प्रदर्शन और रोजमर्रा के उपयोग में सुगमता के कारण इस बाइक को ग्राहकों से जबरदस्त सराहना मिली है।

कंपनी ने हाल ही में अपनी बेंगलुरु स्थित फैक्ट्री से 10,000वीं इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल भी तैयार की है, जो उसके उत्पादन क्षमता और मांग को दर्शाती है। सितंबर के आंकड़ों में ओबेन के बाद, रिवोल्ट इंतेलिजेंस 1,027 रजिस्ट्रेशन के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि अल्ट्रावीयलेट ऑटोमोटिव ने 536 रजिस्ट्रेशन के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मीटर मोटर वर्क्स 69 रजिस्ट्रेशन के साथ चौथे और रैप्टी एनजी 17 रजिस्ट्रेशन के साथ पांचवें स्थान पर रही। ओबेन के अनुसार, उसके 18 राज्यों और 90 से अधिक शहरों में 150 से ज्यादा शोरूम और ओबेन केयर सर्विस सेंटर स्थापित हो चुके हैं।

सोने पर फिलहाल दबाव, 2027 में लौटेगी रौनक-एचएसबीसी

**वन्यजीव सप्ताह: डोरंडा के पलाश हॉल में संपन्न हुआ भव्य समापन
समारोह, प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण का लिया गया संकल्प**

विभा संवाददाता

रांची: झारखंड सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित वन्यजीव संरक्षण 2026 का बुधवार को डोरंडा स्थित पलाश हॉल में भव्य समापन हुआ। 2 से 7 अक्टूबर तक चले इस सप्ताहव्यापी अभियान के माध्यम से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के जरिए जन-जन तक वन्यजीव व पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाया गया।

समारोह की शुरुआत बच्चों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक स्वागत गीत से हुई। इसके उपरांत बच्चों ने वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक

संक्षिप्त खबरे

दक्षिण पूर्व रेलवे की सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि - पारंपरिक विद्युत लोकोमोटिव में कवच प्रणाली की स्थापना

कोलकाता(बिभा) : दक्षिण पूर्व रेलवे ने



प्रकारों में, आवरस्पॉड नियंत्रण तथा ड्राइवर मशीन इंटरफेस (DMI) के माध्यम से निरंतर केब सिग्नलिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इससे परिचालन सुक्ष्मता में वृद्धि होती है तथा यात्रियों के लिए सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। अब तक 10 लोकोमोटिवों में 25.07.2026 से 01.10.2026 की अवधि के दौरान कवच प्रणाली सफलतापूर्वक स्थापित कर उन्हें कमीशन किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, दो और लोकोमोटिवों में लोको कवच प्रणाली स्थापित की जा चुकी है, जिन्हें फिलहाल कमीशन किया जाना बाकी है। दो अन्य लोकोमोटिवों में कवच प्रणाली की स्थापना का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। इलेक्ट्रिक लोको शेड, खड़गपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे का पहला ऐसा शेड भी बन गया है, जिसने पारंपरिक सिग्नल मालवाहक लोकोमोटिवों में RFID टेग लगाए हैं। RFID ट्रैकिंग से रेलवे के विभिन्न स्थानों पर रोलिंग स्टॉक की स्वचालित पहचान एवं निरंतर डिजिटल ट्रैकिंग संभव होती है, जिससे प्लेटफॉर्म की निगरानी और परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होता है। अब तक इलेक्ट्रिक लोको शेड, खड़गपुर के दो लोकोमोटिवों में RFID टेग सफलतापूर्वक लगाए जा चुके हैं, जबकि तीनों लोकोमोटिवों में RFID टेग लगाने का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है।

प्रयागराज मंडल की बड़ी उपलब्धि: रेलगांव
कॉलोनी को पहली बार और प्रयागराज स्टेशन
को पुनः मिला आईएसओ 14001:2015 प्रमाणन
प्रयागराज (विभा) : पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन पर्व अन्तर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) धनंजय कुमार सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं रखरखाव प्रबंधक विक्रम सिंह कोली तथा एनएचएम (एल्लोट) विंग के प्रयासों से मंडल की रेलगांव कॉलोनी, सुबेरागंज को पहली बार तथा प्रयागराज रेलवे स्टेशन को पुनः प्रतिष्ठित आईएसओ 14001:2015 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन प्राप्त हुआ है। सुबेदारांगस्थित रेलगांव कॉलोनी को स्वच्छ, स्वास्थ्यकर तथा पर्यावरण-अनुकूल आवासीय माहौल बनाए रखने के लिए पहली बार यह अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि कॉलोनी परिसर में बेहतर नागरिक सुविधाओं, प्रभावी पर्यावरण प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था को दर्शाती है। वहीं दूसरी ओर, प्रयागराज रेलवे स्टेशन को आईएसओ 14001:2015 में पुनः प्रमाणन हासिल हुआ है, जो यह साबित करता है कि स्टेशन पर पर्यावरण प्रबंधन, स्वच्छता मानकों और यात्री सुविधाओं को निरंतर उच्च स्तर पर बनाए रखा जा रहा है। दोनों प्रमाणन स्वतंत्र मूल्यांकन एजेंसी क्वालिटी रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन द्वारा विस्तृत समीक्षा के बाद जारी किए गए हैं। इन दोनों प्रमाणपत्रों की वैधता तीन वर्ष के लिए होगी। प्रयागराज मंडल द्वारा रेलवे परिसरों में अपशिष्ट प्रबंधन, हरित क्षेत्र के विस्तार, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह प्रमाणन स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार रेल व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में मंडल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

मुरादाबाद रेल मंडल में यात्रियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए व्यापक अभियान

बिहान भारत

मुरादाबाद। मुरादाबाद रेल मंडल द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने तथा स्टेशन परिसरों में स्वच्छता के स्तर को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान प्रचलित किया जा रहा है। इसी क्रम में स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के दौरान मुरादाबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों के लिए उपलब्ध पेयजल व्यवस्था को नियमित निगरानी एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।



उत्तर रेलवे मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बताया कि मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्थापित लगभग 2,000 पानी की टैंकियों की साफ-सफाई का कार्य अगस्त 2026 में प्रारंभ किया गया था। टैंकियों की नियमित सफाई एवं रख-रखाव का

उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्टेशन परिसरों में उपलब्ध पेयजल टैंक के गुणवत्ता से यात्रियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध हो सके। यात्रियों के स्वास्थ्य एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंडल में पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच भी की जा रही है।

स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत पिछले 07 दिनों में कुल 3722 पेयजल सैंपल लिए गए हैं। इन सैंपलों की जांच की जा रही है। मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर उपलब्ध पेयजल स्रोतों एवं पेयजल व्यवस्था की गुणवत्ता की लगातार निगरानी की जा रही है।

शिष्टाण भारत

हाजीपुर: यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से रेलवे ने लंबी दूरी के ट्रेनों में साफ-सफाई और रख-रखाव व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए विशेष कार्ययोजना लागू की है। इसके तहत पूरे मध्य रेलवे से खुलने और गुजरने वाली 40 घंटे से अधिक यात्रा अवधि वाली लंबी दूरी के ट्रेनों में और सफर के दौरान स्वच्छता और यात्री सुविधाओं की सतत

निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
इस व्यवस्था के तहत ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस को अधिक प्रभावी बनाते हुए कोच और शौचालयों की नियमित सफाई, बायो-टॉयलेट की कोचशीलता और छोट-मोटे अनुरक्षण कार्यों पर पैनी नजर रखी जा रही है। 40 घंटे से अधिक यात्रा समय वाली प्रमुख ट्रेनों में अब ध्यान आसाम एक्सप्रेस, दानापुर-एसएमवीबी बेंगलुरु एक्सप्रेस, सहरास एक्सप्रेस,

एक्सप्रेस, पुणे-सुपौल एक्सप्रेस
अम्नापाली एक्सप्रेस, राजगीर-
एलटीटी एक्सप्रेस और सहरसा-
अमृतसर हैं। इनमें दानापुर-
बैंगलूर और राजगीर-एलटीटी
एक्सप्रेस का प्राथमिक रख-
रखाव पूर्व मध्य रेल द्वारा किया
जाता है, जबकि अन्य दोनों के
लिए बरीनी और डीडीयू जैसे
'क्लीन ट्रेन स्टेशनों' पर विशेष
सफाई सुविधाएँ की जा रही हैं।
वर्तमान में पूर्व मध्य रेल द्वारा
159 ट्रेनों का प्राइमरी मेंटेनेंस

किया जा रहा है और 81 ट्रेनों में ओबीएचएस सुविधा संचालित है। ट्रेनों में स्वच्छता व्यवस्था कोलकाता-चौबट रखने के लिए कई कड़े मानक तय किए गए हैं। ट्रेनों में हर दो घंटे पर कचरा संग्रहण की व्यवस्था लागू की गई है, जिसे निर्धारित सीटीएस जॉर्जिंग ज्वाइंट पर उतारकर नियमानुसार निस्तारित किया जाएगा। इसके अलावा, प्रारंभिक, गंतव्य और मार्गवर्ती स्टेशनों पर कोच व टॉयलेट

की सफाई की स्थिति जांचने के लिए 'समय-मुद्रित तस्वीर' (टाइम-स्टैम्प्ड फोटोग्राफ) लेने का प्रावधान किया गया है। अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को स्वच्छता की जिम्मेदारी सौंपते हुए साप्ताहिक समीक्षा का निर्देश दिया गया है। साथ ही, औबीसीएस कर्मियों के नियमित प्रशिक्षण और यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों पर भी बल दिया जा रहा है।

कि वन्यजीव सप्ताह का उद्देश्य यह सिर्फ सात दिनों के आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्थायी जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि बच्चों की संस्कृतिक प्रकृतियाँ बताती हैं कि प्रकृति संरक्षण के संस्कार बचपन से ही गढ़े जाने चाहिए, क्योंकि आज के जागरूक बच्चे ही कल के सच्चे प्रकृति प्रवर्धि बनेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि समृद्ध जैव-विविधता और वनों की अमूल्य धरोहर बताने हुए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया। वहीं, पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ

एवं मुख्य वाइलडलाइफ वार्डन रवि
रंजन (आईएफएस) ने अपने
संबोधन में कहा कि प्रकृति बेचोगी
और वन्यजीव बेचेंगे, तभी हमारा
भविष्य सुरक्षित रहेगा। उन्होंने
सभी से आह्वान किया कि
प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित
रखते हुए एक नए वाली पीढ़ियों के
लिए एक समृद्ध व संतुलित
पर्यावरण तैयार करने का
समूहिक संकल्प लें।
सम्राहक के अंत में सपाह के
दौरान आयोजित भाषण, एससीक्यूएल
(क्रिज), चित्रकला और ड्राइंग
प्रतियोगिताओं के उत्कृष्ट व विजयी
प्रतिभागियों को पदक एवं पुरस्कार
प्रदान कर सम्मानित किया गया।

हटिया में सेरसा ने किया एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता हॉकी खिलाड़ियों का हुआ अभिनंदन

खुली विटेज कार में निकला रोड शो, नई हॉकी अकादमी और जिम का उद्घाटन

विभा संवाददाता

राजीव: दक्षिण पूर्व रेलवे स्पोर्ट्स एंटी-एशिएशन (सेरसा), रांची के तत्त्वाधान में बुधवार को एस्ट्रीमोड हॉकी स्टेडियम, हटिया में एक भा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में एशिया खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा देओलपियन निक्की प्रधान और दीपिका सोरेंग को मंडल रेल प्रबंधक (डीआएम) सह अध्यक्ष (सेरसा) करुणा निधि सिंह ने शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इसके अलावा अखिल भारतीय रेलवे तीरंदाजी चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली दक्षिण पूर्व रेलवे की तीरंदाज दीप्ति कुमारि एवं गिमल बिरुली को भी सम्मानित किया गया।



स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि मंडल अपने खिलाड़ियों को हरसंभव प्रोत्साहन और सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण व अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खेल सुधारों का लगातार विस्तार और आधुनिकीकरण किया जाएगा।

इस अवसर पर डीआरएम करुणा निधि सिंह, महिला हॉकी खिलाड़ियों और वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सह क्रीड़ा अधिकारी राजा की उपस्थिति में एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में नई

हॉकी अकादमी तथा 'RDSA Power Fit Gym' का उद्घाटन किया गया। इस अकादमी के माध्यम से रेलकर्मियों के आश्रितों के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को भी हॉकी का व्यवस्थित प्रशिक्षण मिल सकेगा।

सम्मान समारोह के दौरान हटिया रेलवे कालोनी में एक भव्य रोड शो का भी आयोजन हुआ। स्वर्ण पदक विजेता सलीमा टुटे, निकी धनक और दीपिका सोरेन खुली विंटेज कार में सवार होकर रोड शो में भी शामिल हुईं। यह रोड शो स्ट्रेचविममार्गों से शुरू होकर कालोनी के विभिन्न मार्गों से होकर हुए डीआरएम

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत पूर्व रेलवे ने सभी मंडलों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया

सिद्धान्त भारत

कोलकाता: पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गौतिका पाण्डेय ने मार्गदर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा 2026' एवं 'विशेष अभियान 6.0' के अंतर्गत सभी रेल मंडलों में स्वच्छता व सैनिटेशन गतिविधियों को सुदृढ़तर पर तेज कर दिया गया है। हावड़ा, सियालदह, आनसनसी और मालदा मंडलों में चलाया जा रहे इस सघन अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरणीय स्वच्छता को सुदृढ़ करना, यात्रियों को बेहतर व सुखद अनुभव प्रदान करना तथा पूरे रेल नेटवर्क में परिचालन सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस अभियान के तहत समर्पित रेलमार्फ, फ्रंटलाइन स्टाफ और सफाई दल रेलवे ट्रैक के किनारे, स्टेशन याडों एवं रेलवे कॉलोनिंग के कायाकल्प में सक्रिय रूप से जुटे हैं। हावड़ा और सियालदह मंडलों में हालिया मैपिंग के जरिए चिन्हित कचरा जमा होने वाले संवेदनशील



स्थानों से पुराने कचरे को स्थायी रूप से हटाने के लिए जैसीबीबी और टिप्पू जैसी भारी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही परित्यों के दोनों ओर और अतिरिक्त झाड़ियों व वनस्पतियों की छंटनी की जा रही है, जिससे सिग्नल को दृश्यता स्पष्ट रहे और ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन में कोई बाधा न आए।

आसनसोल मंडल के मुगमा, पांडेवस्वर, अंडाल जंक्शन और दुगुगुराई जैसे प्रमुख स्टेशनों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जबकि एमडीजेडटीआई,

मूली में प्रशिक्षुओं ने स्वीच्छक श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। वहीं मालदा मंडल ने साहित्यबंग, कहलागंव, पीरपैती और न्यू फरका सहित कई स्टेशनों को अभियान के दायरे में लेते हुए ग्रबन सफाई कराई। टिकाऊ कचरा प्रबंधन के लिए अलग-अलग कचरे को खोत पर ही अलग-अलग कर स्थानीय निकायों के समन्वय से पर्यावरण-अनुकूल तरीके से निस्तारित किया जा रहा है।

पूर्व रेलवे स्क्व, सुरक्षित और स्वच्छ रेल नेटवर्क के निर्माण के लिए आमजन की भागीदारी पर बल दे रहा है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिब्राम माझि न सिर्फ यात्रियों और ट्रैक किनारे रहने वाले स्थानीय नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे पूर्व रेलवे के इस प्रयास में सहयोग करें और टट्टे, स्टेशनों व पटरियों को पूरी तरह कचरा-मुक्त बनाए रखने में अपनी सहभागिता निभाएं।

कोलकाता: क्षेत्रीय रेल
अवसंरचना को सुदृढ़ करने की
दिशा में पूर्व रेलवे ने बड़ी सफलता
हासिल की है। महाप्रबंधक कुश्री
गोविंदा पाण्डेय के नेतृत्व में करीब
₹293 करोड़ की लागत से निर्मित
बहुप्रतीक्षित जसीडीह बाईपास
लाइन परियोजना का निर्माण कार्य
पूरी तरह संपन्न हो गया है और अब
यह उद्घाटन के लिए पूरी तरह तैयार
है।

रेलवे नेटवर्क के लिए एसएस प्रसारण रोड की तर्ज पर तैयार की गई यह नई बाईपास लाइन जसरीडीह के मुख्य स्टेशन को स्पर्श किए बिना कुमड़ाबाद रोहिणी और देवघर को सीधे आपस में जोड़ती है। इस सीधेधोरे रेल संकर्ष के शुरु होने से ट्रेनों में इंजन रिवर्सल (इनजन को आगे से हटाकर पीछे लगाने और ब्रेक परीक्षण करने) की जटिल व समय लेने वाली प्रक्रिया हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी। इससे झारखंडा खंड और वल्लभ बंगाल के बीच रेल



सपक अधिक सुगम और दृगगमी हो जापूग।

पूव में जसीडीह होकर दुमका व गूड्डा जाने वाली मेल, एक्सप्रेस और मालगाडियों को इंजन बदलने के कारण लंबी देरी का सामना करना पडता था, जिससे जसीडीह स्टेशन के प्लेटफार्मों पर भी अनावश्यक दबाव और भीड़भाड़ बनी रहती थी। अब इस बाईपास के चालू होने से प्रतिदिन कम से कम पांच प्रमुख यात्री ट्रेनों के यात्रा समयय में उल्लेखनीय बचत होगी। इसके साथ ही हर दिन कम से कम दो भारी मालगाडियां बिना किसी रुकावट के सीधे निकल सकेंगी,

माल दुलाई की सुविधा मिलेगी और व्यापक की गति प्राप्त होगी। विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग मानकों के तहत पूरी की गई इस परियोजना में व्यापक रूरी काटिंग, रोड ओवर ब्रिज (फहड़), रोड अंडर ब्रिज (चमड़) और छोटे पुलों का निर्माण शरत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। सुनिश्चित एवं तीव्र परिचालन सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक डिजिटल सिमलिंग और उन्नत ट्रैक प्रणालियों की स्थापना व सफल परीक्षण भी संपन्न हो चुका है।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवराम माझि ने बताया कि यह परियोजना दुमका, गोल्डु और आसपस के क्षेत्रों के लिए आधुनिक और निर्बाध रेल यात्रा के एक नए युग की शुरुआत करेगी, जिससे न केवल परिचालन दक्षता में सुधार होगा बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक विकास के भी नई मजबूती मिलेगी।